नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 151
दि. 06.03.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सोने की शुद्धता पर सरकार की सख्ती: 6 अंकों का यूनिक कोड बताएगा गहनों का पूरा इतिहास, 380 जिलों में अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत में सोना केवल आभूषण या निवेश का साधन भर नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। शादी-ब्याह से लेकर त्योहारों तक भारतीय परिवारों में सोने का विशेष महत्व है और करोड़ों लोग अपनी बचत का बड़ा हिस्सा सोने में ही निवेश करते हैं। इसी विश्वास और पारदर्शिता को मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने सोने के कारोबार में एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने देश के 380 जिलों में सोने की अनिवार्य हॉलमार्किंग के तीसरे चरण को पूरी तरह लागू कर दिया है। इस फैसले के बाद अब बड़े महानगरों के साथ-साथ छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्राफा बाजारों में भी हॉलमार्क वाले आभूषण ही बेचे जा सकेंगे। इस व्यवस्था की निगरानी और प्रमाणन की जिम्मेदारी Bureau of Indian Standards (बीआईएस) के पास है। बीआईएस के अनुसार हॉलमार्किंग का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को शुद्ध सोना उपलब्ध कराना और बाजार में होने वाली मिलावट या धोखाधड़ी पर रोक लगाना है। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से देश के स्वर्ण बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय आभूषण उद्योग की साख भी बेहतर होगी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में अनिवार्य हॉलमार्किंग व्यवस्था शुरू होने के बाद से अब तक देशभर में 58 करोड़ से अधिक सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग की जा चुकी है। हर महीने औसतन एक करोड़ से अधिक आभूषणों पर हॉलमार्क की मुहर

लग रही है। शुरुआत में यह नियम केवल बड़े शहरों और प्रमुख जिलों तक सीमित था, लेकिन अब इसे विस्तार देते हुए बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के टियर-2 और टियर-3 शहरों तक लागू कर दिया गया है। इससे छोटे शहरों और कस्बों में भी सोने की गुणवत्ता को लेकर पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

इस नई व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा एचयूआईडी यानी हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर है। अब बाजार में बिकने वाले हर सोने के आभूषण पर छह अंकों का एक यूनिक अल्फान्यूमेरिक कोड अंकित किया जाता है। यह कोड उस आभूषण के लिए बिल्कुल उसी तरह काम करता है जैसे किसी व्यक्ति के लिए पहचान पत्र। इस कोड के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि गहना किस जौहरी ने बनाया, किस हॉलमार्किंग सेंटर पर उसकी जांच हुई और उसमें सोने की शुद्धता कितनी है। इस पूरी जानकारी को डिजिटल रिकॉर्ड के रूप में सुरक्षित रखा जाता है, जिससे भविष्य में किसी विवाद या शिकायत की स्थिति में सत्यापन आसान हो जाता है।

ग्राहकों की सुविधा के लिए सरकार ने एक डिजिटल व्यवस्था भी तैयार की है। उपभोक्ता BIS CARE App नामक मोबाइल ऐप के माध्यम से गहने पर अंकित एचयूआईडी कोड को तुरंत जांच सकते हैं। ग्राहक दुकान पर खड़े-खड़े ही ऐप में कोड डालकर यह देख सकते हैं कि गहने की जानकारी बीआईएस के रिकॉर्ड से मेल खाती है या नहीं। यदि जानकारी मेल नहीं खाती या कोई गड़बड़ी दिखाई देती है, तो ग्राहक उसी ऐप के माध्यम से शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। इससे ग्राहकों को पहले की तरह केवल जौहरी के भरोसे पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल पुराने गहनों को लेकर उठ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार पुराने गहनों को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। जो गहने पहले से खरीदे जा चुके हैं, उन पर यह नियम लागू नहीं होता। ग्राहक अपने पुराने बिना हॉलमार्क वाले गहनों को जौहरी को बेच सकते हैं या उन्हें बदलकर नए आभूषण भी ले सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने पुराने गहनों की शुद्धता प्रमाणित कराना चाहता है, तो वह मान्यता प्राप्त हॉलमार्किंग केंद्रों पर मामूली शुल्क देकर यह प्रक्रिया पूरी करा सकता है। आम तौर पर इसके लिए लगभग 200 रुपये का शुल्क लिया जाता है। हालांकि इस नई व्यवस्था को लागू करने में कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं, विशेषकर छोटे जौहरियों के लिए। कई छोटे व्यापारियों को पंजीकरण, तकनीकी प्रक्रिया और हॉलमार्किंग केंद्रों तक पहुंच जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में यह व्यवस्था पूरे स्वर्ण बाजार के लिए लाभदायक साबित होगी। इससे मिलावटी सोने की बिक्री पर रोक लगेगी और ग्राहकों का भरोसा भी मजबूत होगा। वर्तमान समय में सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं। कई बाजारों में सोने का भाव 1.6 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। ऐसे में सोने के वजन या शुद्धता में थोड़ी सी भी गड़बड़ी ग्राहक के लिए भारी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। सरकार का मानना है कि अनिवार्य हॉलमार्किंग और एचयूआईडी कोड की व्यवस्था से इस तरह की धोखाधड़ी पर काफी हद तक लगाम लगेगी।

चुनाव से पहले असम की राजनीति में बड़ा उलटफेर कांग्रेस के तीन विधायक भाजपा में शामिल

(जीएनएस)। गुवाहाटी। असम की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जिसने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को अचानक बदल दिया है। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी में गिनी जाने वाली Indian National Congress को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके तीन मौजूदा विधायक एक साथ सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम न केवल कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह माना जा रहा है, बल्कि इससे राज्य में सत्ताधारी दल की स्थिति और मजबूत होने के संकेत भी मिल रहे हैं। गुरुवार को गुवाहाटी में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के तीन विधायक—Kamalakhya Dey Purkayastha, Shashikant Das और Basant Das—ने आधिकारिक रूप से Bharatiya Janata Party की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व संयुक्त सचिव Parash Bob Kalita और All India Trinamool Congress के पूर्व महासचिव Kangkan Nath ने भी भाजपा में शामिल होकर राज्य की राजनीति में हलचल पैदा कर दी। गुवाहाटी में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष Dilip Saikia और केंद्रीय मंत्री Pabitra Margherita की मौजूदगी में इन नेताओं ने औपचारिक रूप से भाजपा का दामन थामा। इस मौके पर मंच से नेताओं ने एकजुट होकर आगामी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने और राज्य के विकास को गति देने की बात कही। समारोह का माहौल राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि यह दल-बदल ऐसे समय हुआ है जब राज्य में अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो रही हैं और सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री Himanta Biswa Sarma ने इस अवसर पर नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा हमेशा उन नेताओं का स्वागत करती है जो राज्य के विकास और जनता की सेवा के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों विधायकों का भाजपा में शामिल होना केवल एक औपचारिक राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह राज्य की बदलती राजनीतिक सोच और जनसमर्थन का भी संकेत है। मुख्यमंत्री ने एक दिलचस्प तथ्य का भी खुलासा किया कि ये तीनों विधायक पिछले लगभग दो वर्षों से विधानसभा के भीतर सरकार की कई नीतियों और योजनाओं का समर्थन कर रहे थे। उनके अनुसार आज इन नेताओं ने औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता लेकर उस राजनीतिक प्रतिबद्धता को सार्वजनिक रूप दे दिया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इन अनुभवी नेताओं के भाजपा में शामिल होने से पार्टी का संगठनात्मक ढांचा और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में ये नेता अपने अनुभव और जनसंपर्क के आधार पर राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि असम को विकास और स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह दल-बदल केवल तीन विधायकों के पार्टी बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके व्यापक राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं। असम की राजनीति लंबे समय से बहुदलीय प्रतिस्पर्धा का केंद्र रही है, जहां सत्ता और विपक्ष के बीच लगातार राजनीतिक खींचतान बनी रहती है। ऐसे में कांग्रेस के तीन विधायकों का एक साथ भाजपा में शामिल होना विपक्षी खेमे के लिए गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी चुनावों से पहले इस तरह के घटनाक्रम राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकते हैं। चुनाव के करीब आते ही विभिन्न दल अपने संगठन को मजबूत करने और प्रभावशाली नेताओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश करते हैं। इससे मतदाताओं के बीच राजनीतिक संदेश भी जाता है कि कौन सा दल अधिक मजबूत और प्रभावशाली है। कांग्रेस के लिए यह घटनाक्रम निश्चित रूप से चिंताजनक माना जा रहा है। राज्य में पार्टी पहले ही संगठनात्मक चुनौतियों और आंतरिक असंतोष से जूझती रही है। ऐसे में मौजूदा विधायकों का पार्टी छोड़ना कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति को और कमजोर कर सकता है। हालांकि कांग्रेस की ओर से इस मामले में अभी तक कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे पार्टी के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर भाजपा इस घटनाक्रम को अपने बढ़ते राजनीतिक प्रभाव के रूप में पेश कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि राज्य में विकास कार्यों और सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर कई नेता भाजपा के साथ जुड़ना चाहते हैं। उनका दावा है कि असम में भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और आगामी चुनावों में पार्टी पहले से भी अधिक मजबूत स्थिति में होगी। असम की राजनीति में यह दल-बदल उस समय हुआ है जब राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो चुकी हैं। विभिन्न दल अपने-अपने स्तर पर संगठन को मजबूत करने, नए गठबंधन बनाने और मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति तैयार कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस से तीन विधायकों का भाजपा में जाना आने वाले चुनावों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस घटनाक्रम से राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और अधिक तेज हो सकती है। आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस इस चुनौती का सामना किस तरह करती है और क्या वह अपने संगठन को फिर से मजबूत कर पाती है या नहीं।

कनाडा में खालिस्तान विरोधी यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की हत्या, हमलावरों ने चाकुओं से गोद डाला

(जीएनएस)। ओंटारियो। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में रहने वाली भारतीय मूल की 45 वर्षीय यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की निर्मम हत्या ने पूरे प्रवासी भारतीय समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। पंजाब की राजनीति, सामाजिक मुद्दों और खालिस्तान समर्थक गतिविधियों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने के कारण पहचान बनाने वाली नैंसी ग्रेवाल पर अज्ञात हमलावरों ने चाकुओं से हमला कर दिया। यह घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे ओंटारियो प्रांत के टॉड लेन इलाके में हुई, जहाँ वह अपने घर के पास ही मौजूद थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक कुछ हमलावर उनके पास पहुंचे और देखते ही देखते उन पर कई बार चाकुओं से वार कर दिए। हमले की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कुछ ही क्षणों में वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। लासेल पुलिस और मेडिकल टीम मौके पर पहुँची और खून से लथपथ हालत में पड़ी नैंसी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन शरीर पर लगे गहरे घावों के कारण उनकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी और कुछ ही समय बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने उनकी पहचान विंडसर निवासी नैंसी ग्रेवाल के रूप में की और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

पुलिस ने घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच एजेंसियाँ यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि हमलावर कौन थे और इस हमले के पीछे का मकसद क्या था। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल किसी भी संभावना को नकारा नहीं जा सकता और मामले की हर दिशा से जांच की जा रही है। स्थानीय निवासियों से भी अपील की गई है कि यदि किसी ने घटना के समय आसपास कोई संदिग्ध गतिविधि देखी हो या किसी के पास वीडियो या फोटो हो तो वह पुलिस के साथ साझा करे।

नैंसी ग्रेवाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने बेबाक और निर्भीक विचारों के लिए जानी जाती थीं। वह नियमित रूप से वीडियो बनाकर पंजाब की राजनीति, प्रवासी भारतीय समुदाय के मुद्दों और भारत से जुड़े सामाजिक विषयों पर अपनी राय रखती थीं। खास तौर पर वह खालिस्तान समर्थक विचारधारा की आलोचना करने के कारण काफी चर्चा में रहती थीं। अपने कई वीडियो में उन्होंने कनाडा में सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूहों की गतिविधियों पर सवाल उठाए थे और इन मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी थी। उनके विचारों के कारण उन्हें बड़ी संख्या में समर्थक भी मिले, लेकिन साथ ही कई बार सोशल मीडिया पर उन्हें विरोध और आलोचना का भी सामना करना पड़ा।

उन्होंने कई प्रभावशाली और विवादित मुद्दों पर भी खुलकर टिप्पणी की थी। जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह, शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम मजीठिया और डेरा ब्यास से जुड़े विषयों पर भी उन्होंने अपनी राय सार्वजनिक रूप से रखी थी। इसके अलावा पिछले वर्ष पंजाब के बठिंडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता था, की संदिग्ध मौत के मामले में भी उन्होंने लगातार आवाज उठाई थी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उनके समर्थकों का कहना है कि नैंसी ग्रेवाल हमेशा सामाजिक मुद्दों पर निर्भीक होकर बोलती थीं और किसी भी विवाद से डरती नहीं थीं।

उनकी हत्या की खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बता रहे हैं। प्रवासी भारतीय समुदाय के कई संगठनों ने भी इस हत्या की निष्पक्ष और तेज जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि किसी व्यक्ति को उसके विचारों के कारण निशाना बनाया गया है, तो यह बेहद गंभीर मामला है और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

इस घटना ने एक बार फिर कनाडा में सक्रिय अलगाववादी गतिविधियों और उनसे जुड़े विवादों को लेकर बहस छेड़ दी है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और कनाडा के बीच खालिस्तान से जुड़े मुद्दों को लेकर कई बार तनाव देखने को मिला है। ऐसे माहौल में नैंसी ग्रेवाल की हत्या ने इस पूरे मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। फिलहाल पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस हत्याकांड के पीछे के कारणों और हमलावरों की पहचान का खुलासा हो सकेगा। नैंसी ग्रेवाल की अचानक और दर्दनाक मौत से उनके परिवार, मित्रों और हजारों समर्थकों को गहरा सदमा लगा है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें एक साहसी और बेबाक आवाज के रूप में याद कर रहे हैं, जो अपने विचारों को बिना किसी डर के सामने रखने के लिए जानी जाती थीं।

सूरत में बिल्डरों और दलालों के बीच धोखाधड़ी: करोड़ों किसान-ग्राहक फंसे, परियोजनाएं वर्षों से अधूरी हैं

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत

सूरत के विभिन्न इलाकों में बन रही बाज़ार, फ्लैट, दुकानें, गोदाम आदि जैसी परियोजनाएँ अधिकतर बिल्डरों द्वारा बनाई जा रही हैं। बिल्डर स्थानीय किसानों के करीबी दलालों की मदद लेते हैं और किसी भी तरह से किसानों की ज़मीन हथियाने के लिए उनसे संपर्क करते हैं। बिल्डर इन दलालों के माध्यम से किसानों का विश्वास जीतते हैं और उन्हें अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें और बड़ी परियोजनाओं के बारे में बताकर उनकी ज़मीन एक निश्चित राशि में बेच देते हैं। किसानों को तय राशि का केवल 30% या 40% ही दिया जाता है और शेष 60% से 70% राशि दलालों द्वारा 24 से 36 महीनों के भीतर दी जाती है। किसानों से दस्तावेज़ और लिखित गारंटी लेने के बाद, ली गई राशि का 30% से 40% का एक डायरी या कच्चा विनिमय बिल तैयार किया जाता है। उक्त ज़मीन पर बिल्डर आवासीय भवनों, बाज़ार योजनाओं, गोदामों आदि के बड़े-बड़े होर्डिंग लगा देते हैं। फिर दलालों के माध्यम से, बाज़ारों में बने उपरोक्त फ्लैट, आवास, गोदाम और दुकानें बुक और बेची जाती हैं। बिल्डर तय मूल राशि का 30% से 35% हिस्सा लेकर ग्राहकों को सौदा बिल या कच्चा विनिमय बिल तैयार करके देते हैं और ग्राहक द्वारा चुनी गई दुकान, गोदाम या फ्लैट को एक निश्चित समय सीमा के भीतर देने का लालच देते हैं। हालांकि, 10 से 12 साल बीत जाने के बाद भी बिल्डर इन परियोजनाओं को पूरा नहीं करते हैं। सरौली, लिंबायत और सेंट्रल जोन क्षेत्रों में ऐसी कई परियोजनाएं अभी भी धूल फांक रही हैं। परियोजनाओं के पूरा न होने के कारण,

जब बुकिंग कराने वाले ग्राहक या जमीन

बेचने वाले किसान दलालों से बकाया राशि मांगते हैं, तो दलाल हाथ खड़े कर देते हैं और किसानों और ग्राहकों से कहते हैं कि बिल्डर ने आपके लिए एक डायरी या कच्चा नोट तैयार किया है, इसलिए आपको सीधे बिल्डर से संपर्क करना चाहिए।

शून्य त्रुटि एजेंसी

अंततः, जब हताश किसान हिम्मत जुटाकर बिल्डरों के दफ्तर जाते हैं, तो वहां बैठे असामाजिक बिल्डर किसानों और ग्राहकों को गाली देते हैं और उन्हें कहते हैं कि वे जो चाहें करें, अगर पुलिस के पास जाना चाहें तो पुलिस के पास जाएं। बिल्डर और उनके असामाजिक तत्व स्थानीय पुलिस के साथ मिलीभगत करके इस तरह की खुली धमकियां देते हैं। इसी वजह से, जब किसान अपनी बकाया राशि लेने जाते हैं या जिन ग्राहकों ने दुकानें, घर, फ्लैट खरीदे हैं, वे बिल्डरों के दलालों पर भरोसा करके बिल्डर के जाल में फंस जाते हैं। इनमें पुणे के कुम्भरिया, सरोली, गोदादरा के मूल निवासी और प्रवासी किसान शामिल हैं। ये प्रवासी किसान 30-45 दिनों के लिए अपने गृहनगर आते हैं। बिल्डर

उनकी जमीन का 60% से 70% बकाया वसूल लेते हैं और फिर उन्हें अपनी कारों में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर घुमाते हैं और विदेश जाने तक उन्हें हर तरह की सुविधा प्रदान करते हैं। इसी वजह से, विदेश जाने का समय समाप्त होने पर प्रवासी किसानों को बिल्डर से किसी भी तरह की परेशानी या झंझट नहीं होती। क्योंकि एनआरआई होने के नाते, वे पुलिस की झंझटों का सामना नहीं कर सकते।

इस तरह, बिल्डर किसानों से जमीन और परियोजनाएं खरीदकर, उन्हें ग्राहकों को सौंपकर और किसानों के दस्तावेजों और लिखित मंजूरी के आधार पर भी, बैंकों से करोड़ों का कर्ज लेकर परियोजनाओं को पूरा नहीं करते। इसके चलते गोदामों, फ्लैटों या दुकानों में निवेश करने वाले लोग घोर आर्थिक तंगी में हैं और शादी, मृत्यु या किसी अन्य अवसर पर उन्हें अपने गहने या अन्य संपत्ति बेचनी पड़ती है। लिंबायत जोन, सेंट्रल जोन, बीयूसी, लीव लेटर, फायर एनओसी आदि में अवैध रूप से निर्मित कई परियोजनाएं 10 से 12 साल बाद भी पूरी नहीं हुई हैं। इसके अलावा, बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को अभी तक कब्जा नहीं मिला है। ऐसी परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। हालांकि, बिल्डर समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा नहीं करते, इसलिए ग्राहकों को भी बुक की गई दुकानें, फ्लैट और गोदाम नहीं मिल पाते। एसएमसी द्वारा बिल्डरों को नोटिस जारी किए जाने के बावजूद, बिल्डरों के आर्किटेक्ट और इंजीनियर नोटिसों को नजरअंदाज करते हैं।

जिसके चलते अतीत में रघुकुल मार्केट, श्रीराम मार्केट, मिलेनियम मार्केट, ऑर्किड मार्केट, शिवशक्ति मार्केट और रघुवीर मार्केट जैसी कई बाजारों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। यह भी पता चला कि इन बाजारों में फायर सर्टिफिकेट या बीयूसी सर्टिफिकेट नहीं थे। यह सब निलंबित कार्यकारी अभियंता विपुल गणेशवाला की लापरवाही के कारण हुआ है। उपर्युक्त बाजारों के साथ-साथ अन्य बाजारों में भी छतों पर अवैध रूप से गुंबद और भूमिगत गोदाम बनाए गए हैं, जिसके कारण गोदामों में रखे रेशमी कपड़े के बोरे या पार्सल पेट्रोल की तरह मामूली शॉर्ट सर्किट से आग पकड़ लेते हैं, जिससे भारी नुकसान होता है।

इसलिए, शहर में अपनी मनमानी कर रहे बिल्डरों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि विकास उपभोक्ता संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र के दक्षिण गुजरात अध्यक्ष, छगनलाल दौलतराम मेवाड़ा ने एक सूची जारी कर बताया है कि जिन किसानों ने बिल्डरों को जमीन बेची है और जिनका भुगतान अभी तक नहीं हुआ है, साथ ही जिन ग्राहकों ने दुकानें, फ्लैट या गोदाम बुक किए हैं और उन्हें अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं, वे या ग्राहक विकास उपभोक्ता संरक्षण एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यालय, जी-06 न्यू ओपेरा हाउस, बामरोली रोड, खातोदरा, सूरत, किरण मोटर्स के बगल में स्थित कार्यालय से संपर्क करें। वहां निष्पक्ष, न्यायसंगत और तटस्थ तरीके से न्याय दिलाने के सभी प्रयास किए जाएंगे। यह संगठन न्याय के हित में स्थानीय न्यायालयों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय तक सेवाएं प्रदान करेगा।

संपादकीय

परमाणु रिसाव हुआ तो

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर 'मेल्टडाउन' हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये 'संहारी संयंत्र' नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं? अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवद्र्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका-इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे। हिरोशिमा के बम-हमले में अनुमानतः 1,40,000 लोग और नागासाकी में करीब 74,000 लोग मार दिए गए। करीब 38,000 मासूम बच्चे भी बेमौत मारे गए। इससे वीभत्स, बर्बर, त्रासद् सामूहिक नरसंहार कोई दूसरा नहीं है। आज दुनिया में अमरीका के अलावा, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी से लेकर भारत और पाकिस्तान तक परमाणु हथियारों वाले देश हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किस-किस देश के परमाणु कार्यक्रम को रोक पाए? यह ठेकेदारी अमरीका की नहीं है। यह भी देशों की संप्रभुता से जुड़ा विषय है। परमाणु अप्रसार की जिम्मेदारी देशों की अपनी है। पाकिस्तान जैसे आतंकी देश पर परमाणु शक्ति होने का विश्वास किया जाता रहा है, ईरान कौनसे विध्वंस पैदा कर सकता है। इस लड़ाई को एकदम रोकना पूरे विश्व के हित में होगा।

Israel-Iran में शामिल होगा अब भारत का ये न्यूक्लियर बम वाला पड़ोसी देश! आपस में ही भिड़ेंगे शिया-सुन्नी?

> “सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ डिफेंस अग्रीमेंट ये भी कहता है कि अगर एक देश पर हमला हुआ तो दूसरा देश उसे खुद पर भी हमला मानेगा। कुछ वैसा ही समझौता जैसा नाटो के सदस्य देशों के बीच है। भले कहा जा रहा है कि ये समझौता पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच लंबे ऐतिहासिक रिश्तों का परिणाम है। लेकिन भारत के लिए ये डेवलपमेंट चिंता बढ़ाने वाला है।

दुनिया में सिर्फ पांच देश ही ऐसे हैं जो मिसाइल से धरती के किसी भी कोने को निशाना बनाने की क्षमता रखते हैं। यह देश हैं अमेरिका, रशिया, चाइना, ब्रिटेन और फ्रांस। अगर इंडिया की बात करें तो हमारी मिसाइलों की रेंज में लगभग सभी स्ट्रेटेजिक एनिमीज़ आते हैं। बाकी देशों की बात करें तो पाकिस्तान की मिसाइलें भी तमाम अन्य देशों के कई शहरों तक पहुंच सकती हैं। भारत के भी कई शहरों तक इसकी रेंज है। इजराइल की बात करें तो ज़ेरिको 3 जैसी मिसाइलें 4800 किमी दूर बैठे टारगेट को भी निशाना बना सकती हैं। इन्हीं मिसाइलों के दम पर मिडिल ईस्ट में ईरान ने वो कर दिखाया जिसकी अमेरिका को उम्मीद तक नहीं थी। पिछले 24 घंटे में ईरान ने सऊदी अरब में अमेरिकी एंबेसी पर ड्रोन से अटैक किए। साथ ही गल्फ देशों के ऊर्जा ठिकानों पर भी मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इस हमले से दुनिया भर में तेल और गैस की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और तमाम आशंकाएं भी पनपी हैं। ईरान ने कुवैत और दुबई में अमेरिकी मिलिट्री बेसिस को निशाना बनाया है। ईरान ने एक ड्रोन हमले में सऊदी अरब स्थित अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के स्टेशन को उड़ा दिया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब पता चला है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी ईरान में विद्रोह भड़काने के लिए कुर्द लड़ाकों को हथियार देने की योजना बना रही है। मतलब साफ है कि 4 दिन पहले शुरू हुई यह जंग अब लंबी खींचती दिख रही है। ऐसे में ईरान की ताकत का आकलन भी करना जरूरी है। मध्य पूर्व में एक छोटे से ईरानी आत्मघाती ड्रोन द्वारा सऊदी अरब में किए गए हमले ने क्षेत्रीय राजनीति को नई दिशा दे दी है। इस घटना के बाद अब सवाल उठ रहा है कि क्या हजारों किलोमीटर दूर स्थित पाकिस्तान भी इस संघर्ष में खिंच सकता है।

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के 132 दिन बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब ने 17 सितंबर को एक डिफेंस डील साइन की है। डिफेंस अग्रीमेंट ये भी कहता है कि अगर एक देश पर हमला हुआ तो दूसरा देश उसे खुद पर भी हमला मानेगा। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या पाकिस्तान इस समझौते के तहत सऊदी अरब की मदद के लिए युद्ध में उतरने को तैयार होगा। यदि पाकिस्तान इस समझौते को पूरी तरह लागू करता है, तो इसका मतलब होगा कि दोनों देश मिलकर संयुक्त और समन्वित जवाबी कार्रवाई करेंगे। हालांकि इस समझौते में यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसी स्थिति में परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना भी शामिल होगी या नहीं। पाकिस्तान का फैसला न केवल मध्य पूर्व के मौजूदा तनाव को प्रभावित करेगा, बल्कि आने वाले समय में पूरे क्षेत्र की सुरक्षा और शक्ति संतुलन को भी तय कर सकता है। यदि इस समझौते के तहत संयुक्त कार्रवाई होती है, तो यह संघर्ष सीमित क्षेत्रीय विवाद से बढ़कर बड़े भू-राजनीतिक टकराव का रूप भी ले सकता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार द्वारा अपने ईरानी समकक्ष को सऊदी अरब पर हमला न करने के संदेश से पाकिस्तान की मंशा का एक मोटा-मोटा अंदाजा लगाया जा सकता है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अपने ईरानी समकक्ष को सऊदी अरब पर हमला न करने की चेतावनी दी। डार ने कहा कि मैंने ईरान को समझा दिया है कि हमारा ईरान के साथ रक्षा समझौता हुआ है।' यह पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई बड़ा अधिकारी साफ-साफ बता रहा है कि ईरान युद्ध में यह रक्षा समझौता सक्रिय हो सकता है। डार ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान-सऊदी अरब सुरक्षा समझौता रियाद के लिए ढाल बना और वहां कोई बड़ा हमला नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'सभी दूसरे देशों के मुकाबले सऊदी अरब पर सबसे कम हमले हुए।' साथ ही डार ने बताया कि ईरान ने इस्लामाबाद से गारंटी मांगी कि सऊदी जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमलों के लिए न किया जाए।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ डिफेंस अग्रीमेंट ये भी कहता है कि अगर एक देश पर हमला हुआ तो दूसरा देश उसे खुद पर भी हमला मानेगा। कुछ वैसा ही समझौता जैसा नाटो के सदस्य देशों के बीच है। भले कहा जा रहा है कि ये समझौता पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच लंबे ऐतिहासिक रिश्तों का परिणाम है। लेकिन भारत के लिए ये डेवलपमेंट चिंता बढ़ाने वाला है। पाकिस्तान और सऊदी अरब की ओर से फिलहाल सैन्य करार के सभी प्रावधानों को सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन पाक द्वारा सऊदी को एटमी सुरक्षा देने के सवाल पर एक सऊदी अफसर ने दावा किया कि करार में सभी सैन्य विकल्पों का प्रयोग किया जा सकता है। पाक और सऊदी अरब का कहना है कि पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच इस सैन्य करार के बारे में गहन विमर्श चल रहा था। अब डील को फाइनल किया गया है। पाक और सऊदी अरब का कहना है कि ये करार किसी भी तीसरे देश को मद्देनजर रखते हुए नहीं किया गया है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर 2025 में इज़राइल द्वारा दोहा और कतर पर हवाई हमले किए जाने के बाद सऊदी अरब ने अपनी सुरक्षा के लिए नए साझेदार तलाशने शुरू किए थे। उस घटना ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अमेरिका की क्षमता पर भी सवाल खड़े कर दिए थे, जिसके बाद रियाद ने वैकल्पिक सुरक्षा विकल्पों की ओर ध्यान दिया। हालांकि कई विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान के सीधे तौर पर मध्य पूर्व के युद्ध में कूदने की संभावना कम है। लेकिन राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान की मौजूदगी सऊदी अरब की रणनीति को मजबूत कर सकती है। SMDA समझौते के कारण पाकिस्तान सऊदी अरब के कूटनीतिक प्रयासों को अतिरिक्त ताकत दे सकता है।

फिलहाल पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने केवल चेतावनी दी है और स्थिति पर चिंता जताई है। उन्होंने अभी तक यह पुष्टि नहीं की है कि पाकिस्तान सऊदी अरब के लिए युद्ध में शामिल होगा या नहीं। अमेरिका ईरान पर मिसाइल दाग रहा है। इजराइल तेहरान को धुआधुआ कर रहा है। बदले में ईरान मिडिल ईस्ट में अमेरिकी बेसिस और इजराइल पर सुपरसोनिक मिसाइल से हमले कर रहा है। लेकिन इस युद्ध का आफ्टर इफेक्ट पाकिस्तान में दिख रहा है। मुनीर को लग रहा है कि अब बहुत जल्द पाकिस्तान का नंबर आने वाला है। इस वक्त पूरे पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। जबरदस्त पैनिक है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कहा जा रहा है कि ईरान के बाद पाकिस्तान पर हमले की तैयारी शुरू हो गई। पाकिस्तान के पत्रकार कह रहे हैं कि मोदी ने नेतन्याह के साथ मिलकर मुनीर पर हमले का प्लान रेडी कर लिया। पाकिस्तान के फॉर्मर मेजर कह रहे हैं कि डर के मारे आसिम मुनीर बंकर में जा छिपा है। पाकिस्तान चारों तरफ से साजिशों से घिरा हुआ है और सिर्फ साजिशों से ही नहीं घिरा हुआ बल्कि कुछ ऐसी ताकतों के गिर्द भी पाकिस्तान घिरा हुआ है जो पाकिस्तान को नाकाम और नामुराद करना चाहते हैं। पाकिस्तान के अंदर दहशतगर्दी फैलाई हुई थी और जो ईरान के ऊपर इसराइल ने हमला किया है उसकी टाइमिंग को देखें। ये एक सिर्फ अफगानिस्तान, पाकिस्तान या ईरान की बात नहीं है। ये रीजनल डायमेंशन की बात हो रही है। और ये सिर्फ और सिर्फ ये जो प्लानिंग है वो पाकिस्तान के खिलाफ है।

प्रेरणा

सत्ता के शिखर पर भी सादगी: शास्त्री जी का प्रेरक प्रसंग

भारत के राजनीतिक इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व हुए हैं जिनकी महानता केवल उनके पद या उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उनके जीवन के मूल्यों और आचरण से पहचानी जाती है। ऐसे ही एक महान नेता थे Lal Bahadur Shastri। उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और विनम्रता की मिसाल था। वे देश के प्रधानमंत्री बने, लेकिन उनकी जीवनशैली में कभी भी पद का अहंकार या दिखावा दिखाई नहीं दिया। उनके व्यक्तित्व में एक ऐसी सरलता थी जो उन्हें आम जनता के बेहद करीब ले आती थी। यही कारण है कि आज भी उनका नाम बड़े सम्मान और श्रद्धा के साथ लिया जाता है। उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाएं यह सिद्ध करती हैं कि उन्होंने सत्ता के उच्चतम पद पर रहते हुए भी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया। उनमें से एक छोटी-सी लेकिन बेहद प्रेरणादायक घटना कपड़े की एक दुकान से जुड़ी हुई है, जो उनकी सादगी और ईमानदारी को बहुत स्पष्ट रूप से सामने लाती है। एक बार की बात है। उस समय वे देश के प्रधानमंत्री थे। एक दिन उन्हें अपने घर के लिए कुछ साड़ियां खरीदनी थीं। आमतौर पर जब कोई बड़ा नेता बाजार में जाता है तो वहां विशेष व्यवस्था की जाती है। दुकानदार उसे खुश करने के लिए सबसे महंगी और आकर्षक वस्तुएं सामने रख देता है। लेकिन उस दिन जो हुआ, उसने वहां मौजूद हर व्यक्ति के मन में शास्त्री जी के प्रति गहरा सम्मान पैदा कर दिया।

वे एक साधारण दिन में बिल्कुल सामान्य व्यक्ति की तरह कपड़े की एक दुकान पर पहुंचे। उनके साथ कोई विशेष सुरक्षा तामझाम या भीड़ नहीं थी। वे शांत भाव से दुकान में गए और दुकानदार से साड़ियों के बारे में पूछने लगे। दुकान का मैनेजर जब उन्हें पहचान गया कि सामने खड़े व्यक्ति देश के प्रधानमंत्री हैं, तो वह बहुत उत्साहित हो गया। उसने तुरंत आदर के साथ उन्हें बैठने के लिए कहा और अपने कर्मचारियों को संकेत दिया कि दुकान की सबसे सुंदर और महंगी साड़ियां लाकर सामने रखी जाएं।

कुछ ही देर में चमकदार रेशमी और बनारसी साड़ियां उनके सामने सजा दी गईं। मैनेजर गर्व के साथ एक-एक साड़ी उठाकर उसकी विशेषता और कीमत बताने लगा। साड़ियों की कीमत काफी अधिक थी और वे बहुत आकर्षक भी थीं। लेकिन शास्त्री जी उन्हें शांत भाव से देखते रहे। कुछ देर बाद उन्होंने विनम्र स्वर में कहा, "भाई, मुझे इतनी महंगी साड़ियां मत दिखाइए। कृपया कम कीमत वाली साड़ियां दिखाइए और उनकी कीमत भी बताते जाइए।"

मैनेजर को यह सुनकर थोड़ा आश्चर्य हुआ, लेकिन उसने सोचा कि शायद प्रधानमंत्री जी थोड़ी कम कीमत वाली साड़ियां देखना चाहते हैं। उसने तुरंत कुछ और साड़ियां निकालीं जो पहले वाली साड़ियों से सस्ती थीं। अब वह एक-एक साड़ी दिखाकर उसकी कीमत बताने लगा।

शास्त्री जी ने उन साड़ियों को ध्यान से देखा, लेकिन फिर मुस्कुराते हुए बोले, "ये भी मेरे लिए महंगी हैं। इससे भी कम कीमत की साड़ियां दिखाइए।"

अब मैनेजर सचमुच हैरान हो गया। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि देश का प्रधानमंत्री इतनी सस्ती साड़ियां क्यों खरीदना चाहता है। उसने थोड़ा संकोच करते हुए कहा कि दुकान में इससे भी सस्ती साड़ियां तो हैं, लेकिन वे बहुत साधारण हैं और शायद प्रधानमंत्री के लिए उपयुक्त नहीं होंगी। यह सुनकर शास्त्री जी ने बहुत सहजता से उत्तर दिया, "कोई बात नहीं, आप वही दिखाइए जो सबसे सस्ती हों। मुझे वही चाहिए।" अब मैनेजर दुकान के एक कोने से साधारण सूती साड़ियां निकालकर लाया। वे बिल्कुल सामान्य साड़ियां थीं जिन्हें आम परिवारों की महिलाएं रोजमर्रा के उपयोग में पहनती थीं। उनमें कोई विशेष कढ़ाई या चमक नहीं थी। मैनेजर ने उन्हें शास्त्री जी के सामने रख दिया और उनकी कीमत बताने लगा।

शास्त्री जी ने उन साड़ियों को ध्यान से देखा और उनके चेहरे पर संतोष का भाव दिखाई दिया। उन्होंने उनमें से कुछ साड़ियां चुन लीं और मैनेजर से उनकी कुल कीमत पूछी। मैनेजर ने झिझकते हुए कीमत बताई। उसके मन में यह आशंका थी कि शायद प्रधानमंत्री होने के कारण वे पैसे देने से मना कर देंगे या कोई विशेष छूट मांगेंगे। लेकिन शास्त्री जी का व्यवहार बिल्कुल अलग था। उन्होंने तुरंत अपनी जेब से पैसे निकाले और पूरी कीमत ईमानदारी से अदा कर दी। इसके बाद उन्होंने साड़ियां लीं, मैनेजर को धन्यवाद कहा और सामान्य ग्राहक की तरह दुकान से बाहर निकल गए।

उनके जाने के बाद दुकान में कुछ समय तक गहरा सन्नाटा छाया रहा। वहां मौजूद कर्मचारी और ग्राहक इस घटना से अत्यंत प्रभावित हो चुके थे। उन्हें यह विश्वास करना मुश्किल हो रहा था कि देश का प्रधानमंत्री इतनी सादगी से खरीदारी कर सकता है। जिस व्यक्ति के हाथ में पूरे देश की सत्ता है, वह अपने व्यक्तिगत जीवन में इतना सरल और विनम्र हो सकता है—यह बात सबको गहराई से छू गई।

दुकान के कर्मचारियों के बीच इस घटना की चर्चा लंबे समय तक होती रही। सभी के मन में एक ही भावना थी कि सच्चा नेतृत्व वही होता है जिसमें व्यक्ति अपने पद के कारण बदलता नहीं, बल्कि अपने मूल्यों और सिद्धांतों पर दृढ़ रहता है। शास्त्री जी का जीवन इसी सत्य का प्रमाण था।

उनकी सादगी केवल व्यक्तिगत स्वभाव नहीं थी, बल्कि उनके विचारों और जीवन दर्शन का हिस्सा थी। वे मानते थे कि यदि सार्वजनिक जीवन में रहने वाला व्यक्ति स्वयं सादगी और ईमानदारी का पालन करेगा, तो उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ेगा। यही कारण था कि उन्होंने अपने पूरे जीवन में नैतिकता और संयम को सर्वोच्च स्थान दिया। आज जब हम आधुनिक राजनीति और सार्वजनिक जीवन को देखते हैं, तो अक्सर भव्यता, प्रदर्शन और विलासिता का प्रभाव दिखाई देता है। ऐसे समय में शास्त्री जी की यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि सच्ची महानता व्यक्ति के चरित्र में होती है, न कि उसके पद या वैभव में।

कपड़े की दुकान की यह छोटी-सी घटना भले ही साधारण लगे, लेकिन इसमें छिपा संदेश बहुत गहरा है। यह हमें सिखाती है कि यदि व्यक्ति के भीतर सादगी और विनम्रता हो, तो वह किसी भी ऊंचाई पर पहुंचकर भी अपने मूल्यों को नहीं भूलता।

यही कारण है कि Lal Bahadur Shastri आज भी भारतीय इतिहास में केवल एक प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि सादगी, ईमानदारी और नैतिकता के प्रतीक के रूप में याद किए जाते हैं। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि सच्चा सम्मान और महानता व्यक्ति के आचरण और मूल्यों से प्राप्त होती है, न कि उसके पद या संपत्ति से।

जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में

होली केवल रंगों से खेलने का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को समझने और स्वीकार करने की एक गहरी सांस्कृतिक दृष्टि है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल तर्क और व्यवस्था से नहीं, बल्कि भावनाओं, विरोधों और संवेदनाओं के रंगों से निर्मित होता है। जब समाज विचारों की कठोरता, संबंधों की दूरी और संवेदनहीनता के कारण रंगहीन हो जाता है, तब होली जीवन में उल्लास, समरसता और मानवीय ऊष्मा का संचार करती है। रंगों के माध्यम से यह पर्व जीवन के द्वंद्व सुख-दुःख, प्रेम-विरोध, आशा-निराशा को स्वीकार करने की कला सिखाता है और हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में ही निहित है।

यह उत्सव हमें बताता है कि रंग केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना, स्मृतियों और संबंधों का विस्तार है। वसंत के आगमन के साथ मनुष्य के भीतर जमी शीतल उदासियों को पिघलाने का काम होली करती है। जब समाज किसी न किसी कारण से धूसर हो चला हो, संवेदनाओं की थकान, संबंधों की टूटन, या विचारों की कटुता से तब होली जीवन में रंग भरने का साहसिक प्रस्ताव लेकर आती है। यही कारण है कि होली का उत्सव केवल हंसी-खुशी का आयोजन नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक अनुभव भी है। रंगों का दर्शन भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन और गहन है। यहां रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, बल्कि भाव, गुण और चेतना के प्रतीक हैं। लाल रंग ऊर्जा, प्रेम और संघर्ष का संकेत देता है, पीला ज्ञान और वैराग्य का, हरा जीवन और आशा का, और नीला गहराई व अनंत का। होली इन सभी रंगों को एक साथ उछाल देती है, मानो जीवन के सभी भावों को स्वीकार करने की शिक्षा दे रही हो। यह स्वीकार्यता ही जीवन-दर्शन का मूल है कि जीवन केवल सुख या केवल दुःख नहीं, बल्कि दोनों का समन्वय है।

होली का एक प्रमुख आयाम जीवन का द्वंद्व है। द्वंद्व अर्थात विरोधों का सह-अस्तित्व। सुख और दुःख, प्रेम और घृणा, जीत और हार- ये सभी जीवन के अनिवार्य रंग हैं। होली में जब लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, तो वे अनजाने ही इस द्वंद्व को स्वीकार कर लेते हैं। कोई नहीं पूछता कि कौन अमीर है, कौन गरीब, कौन उच्च है, कौन निम्न। रंग सभी भेदों को ढक लेते हैं। यह क्षणिक समानता हमें याद दिलाती है कि समाज द्वारा खींची गई रेखाएं स्थायी नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। रंगहीन समाज की अवधारणा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और आत्मकेंद्रित सोच ने समाज को भीतर से फीका कर दिया है। लोग जुड़े तो हैं, पर संवादहीन हैं; साथ रहते हैं, पर संवेदनाहीन। ऐसे समाज में होली एक प्रतिरोध का पर्व बन जाती है। यह हमें बाहर निकलकर एक-दूसरे को छूने, हंसने और क्षमा करने का अवसर देती है। रंगहीनता के विरुद्ध रंगों का यह उत्सव एक सांस्कृतिक विद्रोह जैसा है।

होली की पौराणिक कथा होलिका दहन भी गहरे प्रतीकवाद से भरी है। यह कथा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि अहंकार के दहन और विश्वास की रक्षा की कथा है। होलिका का जलना और प्रह्लाद का बचना इस बात का संकेत है कि सत्ता, बल और छल अंततः सत्य और आस्था के सामने टिक नहीं पाते। दहन की अग्नि हमारे भीतर के भय, क्रोध और द्वेष को जलाने का आह्वान करती है, ताकि अगले दिन रंगों के साथ नया जीवन आरंभ हो सके। होली का सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व सामूहिकता का उत्सव है। गांव की गलियों से लेकर महानगरों की छतों तक, लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। पुराने गिले-शिकवे मिटते हैं, नए संबंध बनते हैं। 'बुरा न मानो, होली है' केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि क्षमा और उदारता का सामाजिक मंत्र है। यह वाक्य हमें यह सिखाता है कि जीवन में हर बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं; कभी-कभी हंसकर आगे बढ़ जाना भी बुद्धिमानी है।

रंगों का यह उत्सव स्त्री-पुरुष, बालक-वृद्ध, सभी को समान रूप से शामिल करता है। बच्चों के लिए होली शुद्ध आनंद है, युवाओं के लिए उत्साह, और वृद्धों के लिए स्मृतियों की पुनरावृत्ति। इस प्रकार होली समय की सीमाओं को भी तोड़ती है। यह अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक ही रंगीन क्षण में समेट लेती है। आज जब समाज में तनाव, अवसाद और अलगाव बढ़ रहा है, तब होली का मनोवैज्ञानिक महत्व और भी बढ़ जाता है। रंग खेलना केवल बाहरी क्रिया नहीं, बल्कि आंतरिक मुक्ति की प्रक्रिया है। यह हमें अपने भीतर जमी कठोरताओं को ढीला करने का अवसर देती है। हंसी, गीत और नृत्य मन को हल्का करते हैं।

होली हमें यह भी सिखाती है कि रंग स्थायी नहीं होते। शाम होते-होते रंग धुल जाते हैं, चेहरे फिर अपने मूल रूप में लौट आते हैं। यह अस्थायित्व जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। इसलिए अहंकार, वैमनस्य और कठोरता को ढोने का कोई अर्थ नहीं। रंगों की तरह जीवन भी बहता है, बदलता है। इसे थामने की कोशिश में हम केवल थकते हैं, जी नहीं पाते।

होली जीवन को पूरे मन से स्वीकार करने का पर्व है। यह हमें बताती है कि रंगहीनता कोई नियति नहीं, बल्कि एक स्थिति है, जिसे बदला जा सकता है। होली हमें भीतर झांकने और अपने मन में रंग भरने का निमंत्रण देती है। होली रंगों का उत्सव भर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का जीवंत पाठ है। यह द्वंद्वों को स्वीकार करना सिखाती है, भेदों को मिटाने का साहस देती है और रंगहीन समाज में मानवीय संवेदनाओं के रंग घोल देती है।

अभियान

जहां मां के दर्शन से मिलता है विजय और निर्भयता का आशीर्वाद

भारत को सदियों से आध्यात्मिक परंपराओं और देवी-उपासना की भूमि माना जाता है। यहां शक्ति को सृष्टि की मूल ऊर्जा के रूप में पूजने की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। देश के विभिन्न हिस्सों में माता दुर्गा के अनेक प्रसिद्ध और चमत्कारी मंदिर हैं, जहां लाखों श्रद्धालु श्रद्धा और विश्वास के साथ माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। विशेष रूप से जब Navratri का पावन पर्व आता है, तब पूरे भारत में भक्ति, श्रद्धा और शक्ति आराधना का अद्भुत वातावरण देखने को मिलता है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में देवी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा की जाती है और श्रद्धालु मंदिरों में जाकर माता से सुख-समृद्धि, साहस और विजय का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इसी आस्था के बीच मध्य प्रदेश में स्थित एक ऐसा प्रसिद्ध और चमत्कारी शक्ति धाम है, जिसे विजय और निर्भयता का आशीर्वाद देने वाला मंदिर माना जाता है। यह पवित्र स्थान है Vijayasan Mata Temple, जहां विराजमान देवी को विजयासन माता के नाम से पूजा जाता है और जिनके दर्शन से भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होने की मान्यता है।

मध्य प्रदेश के Sehore जिले के अंतर्गत आने वाले Salkanpur गांव की ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर प्रदेश के सबसे प्रमुख शक्ति स्थलों में से एक माना जाता है। दूर से ही पहाड़ी के शिखर पर स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां स्थापित देवी को Vijayasan Mata कहा जाता है, जो मां दुर्गा का ही एक शक्तिशाली स्वरूप मानी जाती हैं। भक्तों का विश्वास है कि जो व्यक्ति सच्चे मन और पूर्ण श्रद्धा के साथ यहां आकर माता के दर्शन करता है, उसे जीवन में आने वाली कठिनाइयों से मुक्ति मिलती है और उसे हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है। यही कारण है कि इस मंदिर को विजय प्रदान करने वाली देवी का धाम भी कहा जाता है। विजयासन धाम का धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा माना जाता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार यह स्थान शक्ति साधना का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालु केवल पूजा करने के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए भी आते हैं। पहाड़ी की ऊंचाई और चारों ओर फैला प्राकृतिक वातावरण इस स्थान को और भी पवित्र बना देता है। जब श्रद्धालु पहाड़ी की सीढ़ियां चढ़ते हुए ऊपर की ओर बढ़ते हैं, तो उनके मन में माता के प्रति श्रद्धा और भक्ति का भाव और अधिक प्रबल हो जाता है। रास्ते भर "जय माता दी" के जयकारे गूंजते रहते हैं और भक्तों के चेहरों पर भक्ति का उत्साह साफ दिखाई देता है।

मंदिर तक पहुंचने के लिए सैकड़ों सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यह यात्रा भक्तों के लिए केवल एक मार्ग नहीं, बल्कि एक प्रकार की आध्यात्मिक साधना भी मानी जाती है। जैसे-जैसे श्रद्धालु ऊपर की ओर बढ़ते हैं, वैसे-वैसे उनके मन में भक्ति का भाव और गहरा होता जाता है। पहाड़ी के शिखर पर पहुंचते ही मंदिर का भव्य दृश्य सामने आता है और वहां का शांत वातावरण मन को अद्भुत शांति प्रदान करता है। आसपास फैली हरियाली और दूर-दूर तक दिखाई देने वाला प्राकृतिक दृश्य इस पवित्र स्थल की दिव्यता को और भी बढ़ा देता है। मंदिर के गर्भगृह में मां विजयासन की प्रतिमा स्थापित है, जिसे अत्यंत दिव्य और शक्तिशाली माना जाता है। भक्त जब माता के दर्शन करते हैं तो उनके मन में श्रद्धा और विश्वास का गहरा भाव उत्पन्न हो जाता है। कई श्रद्धालु बताते हैं कि यहां आने के बाद उन्हें एक विशेष प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। ऐसा माना जाता है कि माता अपने भक्तों की हर सच्ची प्रार्थना सुनती हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। जीवन में आने वाली कठिनाइयों, शत्रु भय, मानसिक तनाव और बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए भी लोग यहां आकर माता की आराधना करते हैं।

इस मंदिर की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण यहां की प्राचीन मान्यताएं और चमत्कारों की कथाएं भी हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कई भक्त ऐसे हैं जिनकी मनोकामनाएं यहां आकर पूरी हुई हैं। कई लोग जीवन में सफलता, व्यापार में उन्नति, परीक्षा में अच्छे परिणाम और पारिवारिक सुख-शांति की कामना लेकर यहां आते हैं। भक्तों का विश्वास है कि मां विजयासन अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाती हैं और उन्हें जीवन के संघर्षों में आगे बढ़ने की शक्ति देती हैं। विशेष रूप से नवरात्रि के समय इस मंदिर की भव्यता और भी बढ़ जाती है। इन दिनों यहां विशाल धार्मिक उत्सव का आयोजन किया जाता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु सलकनपुर पहुंचकर माता के दर्शन करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं। मंदिर परिसर में भक्ति गीत, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है। इन दिनों यहां लगने वाला विशाल मेला भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनता है।

नवरात्रि के दौरान सलकनपुर की पहाड़ी पर एक अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों की लंबी कतारें सीढ़ियों पर दिखाई देती हैं। लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ यहां आते हैं और माता के दरबार में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। मंदिर परिसर में प्रसाद, पूजा सामग्री और धार्मिक वस्तुओं की अनेक दुकानें सज जाती हैं। पूरा क्षेत्र भक्ति और उत्साह से भर जाता है और हर ओर माता के जयकारे सुनाई देते हैं। विजयासन धाम का एक विशेष महत्व यह भी है कि यहां आने वाले भक्तों को जीवन में साहस और आत्मविश्वास की प्रेरणा मिलती है। कई लोग बताते हैं कि जब वे कठिन परिस्थितियों में यहां आकर माता से प्रार्थना करते हैं, तो उन्हें मानसिक शांति और नई ऊर्जा प्राप्त होती है। यही कारण है कि इस मंदिर को केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि आस्था और आत्मबल का केंद्र भी माना जाता है।

इस पवित्र धाम तक पहुंचने का मार्ग भी काफी सुविधाजनक है। श्रद्धालु सबसे पहले सीहोर शहर तक पहुंच सकते हैं, जो इस क्षेत्र का प्रमुख नगर है। यहां रेलवे स्टेशन होने के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से रेल मार्ग द्वारा यहां पहुंचना आसान है। सीहोर से सड़क मार्ग द्वारा सलकनपुर गांव तक आसानी से जाया जा सकता है, जहां से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक सीढ़ियों के माध्यम से पहुंचा जाता है। हवाई मार्ग से आने वाले यात्रियों के लिए सबसे निकटतम हवाई अड्डा Bhopal में स्थित है। भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा सलकनपुर पहुंचना काफी आसान है। इसके अलावा Indore से भी सड़क मार्ग द्वारा इस मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। इस प्रकार देश के किसी भी कोने से श्रद्धालु आसानी से विजयासन धाम की यात्रा कर सकते हैं। समय के साथ इस मंदिर की प्रसिद्धि लगातार बढ़ती जा रही है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां आकर माता के दर्शन करते हैं और अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। यहां का प्राकृतिक वातावरण, पहाड़ी की सुंदरता और माता की दिव्यता मिलकर इस स्थान को अत्यंत पवित्र बना देते हैं। जो भी भक्त यहां आता है, वह अपने साथ आध्यात्मिक संतोष और नई ऊर्जा लेकर लौटता है। भारतीय संस्कृति में ऐसे मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं होते, बल्कि आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक शक्ति के केंद्र होते हैं। विजयासन धाम भी ऐसा ही एक पवित्र स्थल है, जहां भक्त अपने जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति पाने और सफलता की कामना लेकर आते हैं। मां विजयासन के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा इस बात का प्रमाण है कि आज भी भारतीय समाज में देवी-उपासना की परंपरा उतनी ही जीवंत और मजबूत है जितनी सदियों पहले थी।

इसी कारण Vijayasan Mata Temple आज लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है। यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि मां विजयासन की कृपा से जीवन में विजय, साहस, समृद्धि और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। यही विश्वास और भक्ति इस पवित्र धाम को भारत के प्रमुख शक्ति स्थलों में एक विशेष और सम्मानित स्थान प्रदान करती है।

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सेमीफाइनल का महायुद्ध जीता भारत, अब अहमदाबाद में न्यूज़ीलैंड से खिताब की निर्णायक जंग

(जीएनएस)। मुंबई के ऐतिहासिक Wankhede Stadium में खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को सात रन से हराकर ICC Men's T20 World Cup 2026 के फाइनल में जगह बना ली। यह मुकाबला शुरुआत से अंत तक उतार-चढ़ाव से भरा रहा और दर्शकों की सांसें थामे रखने वाला साबित हुआ। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी20 विश्व कप के इतिहास में किसी भी नॉकआउट मुकाबले का सबसे बड़ा स्कोर बन गया। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने भी जबरदस्त संघर्ष किया और आखिरी ओवर तक मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा, लेकिन 20 ओवर में सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारत लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंच गया है और अब रविवार को अहमदाबाद के विश्वप्रसिद्ध Narendra Modi Stadium में New Zealand national cricket team से खिताबी मुकाबला खेलेगा। यदि भारत यह मैच जीत जाता है तो वह टी20 विश्व कप का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाली पहली टीम बनकर इतिहास रच देगा।

भारतीय टीम की जीत के केंद्र में विकेटकीपर बल्लेबाज Sanju Samson की विस्फोटक पारी रही। सैमसन को शुरुआती चरण में 15 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला और उन्होंने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों पर जबरदस्त हमला बोल दिया। उन्होंने केवल 42 गेंदों में सात छक्कों और आठ चौकों की मदद से 89 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारतीय पारी की नींव इतनी मजबूत कर दी कि इंग्लैंड के गेंदबाज शुरुआत से ही दबाव में आ गए। सैमसन ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाए और रन गति को लगातार ऊंचा बनाए रखा।

सैमसन को दूसरे छोर से Ishan Kishan का शानदार साथ मिला। किशन ने केवल 18 गेंदों में 39 रन की तेज पारी खेली, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 97 रन की जबरदस्त साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने इंग्लैंड की गेंदबाजी की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और भारतीय टीम को बड़े स्कोर की ओर तेजी से बढ़ने का मौका मिल गया।

इसके बाद मध्यक्रम में Shivam Dube ने भी अपने आक्रामक अंदाज से पारी को नई रफ्तार दी। दुबे ने 25 गेंदों में 43 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और एक चौका शामिल था। उन्होंने सैमसन के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 43 रन की साझेदारी की। इस दौरान इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए रन रोकना लगभग असंभव हो गया था और भारतीय टीम का स्कोर तेजी से 200 के करीब पहुंच गया। पारी के अंतिम ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी तरह आक्रामक रुख अपनाया। Hardik Pandya ने केवल 12 गेंदों में 27 रन की तेज पारी खेली, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं युवा बल्लेबाज Tilak Varma ने भी सात गेंदों में 21 रन बनाकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया और तीन शानदार छक्के लगाए। भारतीय टीम की पूरी पारी में कुल 19 छक्के लगे, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टीम का एक नया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है। इस तरह भारत ने सात विकेट पर 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में स्पिनरों Will Jacks और Adil Rashid ने दो-दो विकेट हासिल किए, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों की आक्रामकता के सामने उनकी कोशिशें सीमित ही रहीं। तेज गेंदबाज Jofra Archer और Sam Curran को भी काफी रन खर्च करने पड़े। आर्चर ने 61 रन देकर एक विकेट लिया जबकि कुरेन 53 रन देने के बावजूद कोई सफलता हासिल नहीं कर सके।

254 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने शुरुआत में मिश्रित प्रदर्शन किया। पावर प्ले में इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 68 रन बनाए। भारतीय ऑलराउंडर Hardik Pandya ने पारी के दूसरे ओवर की पहली ही गेंद पर Phil Salt को आउट कर भारत को शुरुआती सफलता दिलाई। इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान Jos Buttler ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए और तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन वे ज्यादा देर टिक नहीं सके।

कप्तान Harry Brook भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक पाए और तेज गेंदबाज Jasprit Bumrah की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में कैच आउट हो गए। इसके बाद इंग्लैंड की उम्मीदें युवा बल्लेबाज Jacob Bethell पर टिक गईं और उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच को रोमांचक बना दिया।

बेथेल ने भारतीय गेंदबाजों पर लगातार आक्रमण करते हुए केवल 48 गेंदों में 105 रन की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी में सात छक्के और आठ चौके शामिल थे। उन्होंने पहले Will Jacks के साथ पांचवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी की और फिर Sam Curran के साथ छठे विकेट के लिए 50 रन जोड़कर इंग्लैंड को मुकाबले में बनाए रखा।

मुकाबला उस समय बेहद रोमांचक हो गया जब इंग्लैंड को अंतिम पांच ओवर में 69 रन की जरूरत थी। बेथेल ने बड़े शॉट्स लगाकर इंग्लैंड की उम्मीदें जिंदा रखीं। उन्होंने 45 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और मैच को आखिरी ओवर तक पहुंचा दिया। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने दबाव में भी संयम बनाए रखा।

भारत की ओर से गेंदबाजी में Hardik Pandya ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 38 रन देकर दो विकेट हासिल किए। वहीं Jasprit Bumrah ने अपने चार ओवर में केवल 33 रन देकर एक महत्वपूर्ण विकेट लिया, जो अंततः मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। स्पिनर Varun Chakravarthy को हालांकि इस मैच में काफी रन पड़े और उन्होंने 64 रन देकर एक विकेट हासिल किया, जो इस प्रारूप में भारत की ओर से सबसे महंगा स्पैल बन गया।

अंतिम ओवर में इंग्लैंड को जीत के लिए 30 रन की जरूरत थी, लेकिन दबाव के बीच बेथेल रन आउट हो गए और इसके साथ ही इंग्लैंड की उम्मीदें लगभग खत्म हो गईं। आखिरी ओवर में इंग्लैंड 22 रन ही बना सका और भारत ने सात रन से यादगार जीत दर्ज कर ली।

इस जीत के साथ भारतीय टीम का मनोबल काफी ऊंचा हो गया है और अब उसकी नजरें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि अहमदाबाद में होने वाला फाइनल मुकाबला भी उतना ही रोमांचक होगा जितना यह सेमीफाइनल रहा। भारतीय टीम यदि न्यूजीलैंड को हराने में सफल रहती है, तो वह टी20 विश्व कप का खिताब लगातार दूसरी बार जीतकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कर देगी।

सूरत में बदली सोच की दिशा: नक्सल प्रभावित इलाकों के 250 से अधिक युवाओं ने चैंबर ऑफ कॉमर्स का किया दौरा, नए सपनों और उम्मीदों के साथ लौटे

(जीएनएस)। सूरत। देश के नक्सल प्रभावित इलाकों से आए युवाओं के लिए सूरत की यात्रा केवल एक अध्ययन दौरा नहीं बल्कि जीवन की नई दिशा दिखाने वाला अनुभव बन गई। भारत सरकार के यूथ डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 250 से अधिक युवा हाल ही में सूरत पहुंचे और उन्होंने शहर की औद्योगिक, सामाजिक और आधुनिक व्यवस्था को करीब से देखा। इस दौरान इन युवाओं ने Southern Gujarat Chamber of Commerce and Industry का भी दौरा किया, जहां उन्हें उद्योग, व्यापार और विकास के आधुनिक ढांचे से परिचित कराया गया।

छह दिनों के इस स्टडी विज़िट कार्यक्रम का उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को देश के विकसित शहरों के सामाजिक और आर्थिक परिवेश से परिचित कराना था ताकि वे अपने भविष्य को लेकर नई संभावनाओं

और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ सकें। इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं को Central Reserve Police Force, Surat Police और कार्यक्रम से जुड़े अन्य अधिकारियों का मार्गदर्शन मिला। इन संस्थाओं ने युवाओं को न केवल सुरक्षा और व्यवस्था की जानकारी दी बल्कि यह भी समझाया कि शिक्षा, कौशल और मेहनत के जरिए जीवन में किस तरह बेहतर अवसर हासिल किए जा सकते हैं।

इन युवाओं में से कई ऐसे थे जिन्होंने पहली बार अपने जीवन में लंबी दूरी की ट्रेन यात्रा की। अधिकांश युवाओं ने बताया कि उन्होंने पहली बार ट्रेन के सेकंड क्लास में बैठकर यात्रा का अनुभव किया। कुछ युवाओं ने यह भी स्वीकार किया कि वे पहले कभी हवाई जहाज में नहीं बैठे और कुछ के लिए कार में बैठना भी जीवन का पहला अनुभव था। यह यात्रा उनके लिए किसी नए संसार के द्वार खुलने जैसी थी।

ग्रामीण और नक्सल प्रभावित इलाकों से आए इन युवाओं का जीवन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता है। कई युवाओं ने बताया कि उनके गांवों में स्कूल तक पहुंचने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। सीमित संसाधनों और सुविधाओं के बीच पढ़ाई करना उनके लिए बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में सूरत जैसे विकसित और आधुनिक शहर को देखना उनके लिए किसी प्रेरणादायक अनुभव से कम नहीं था।

जब इन युवाओं ने चैंबर ऑफ कॉमर्स की अत्याधुनिक सुविधाओं को देखा तो वे काफी आश्चर्यचकित रह गए। एग्ज़िबिशन सेंटर, बड़े-बड़े सेमिनार हॉल, एयर-कंडीशनिंग व्यवस्था और आधुनिक आयोजन प्रणालियों को देखकर उनके चेहरे पर उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। कई युवाओं ने पहली बार किसी बड़े औद्योगिक प्रदर्शनी और उसके आयोजन की प्रक्रिया को करीब से देखा। इससे उन्हें यह समझने का मौका मिला कि उद्योग और व्यापार किस तरह बड़े स्तर पर संचालित होते हैं।

सूरत शहर की सफाई, सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था और तेजी से हुए औद्योगिक विकास ने भी युवाओं को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल किताबों या टीवी में ही बड़े शहरों के बारे में सुना था, लेकिन सूरत को अपनी आंखों से देखना उनके लिए बिल्कुल अलग अनुभव रहा। शहर की साफ-सुथरी सड़कें, आधुनिक इमारतें और व्यवस्थित औद्योगिक ढांचा देखकर उन्हें विश्वास हुआ कि मेहनत और सही दिशा मिलने पर जीवन में बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है।

सूरत के टेक्सटाइल उद्योग को मिलेगी नई तकनीकी दिशा, 6 मार्च को होगी इंडस्ट्री–एकेडेमिया बैठक

(जीएनएस)। सूरत। देश के प्रमुख कपड़ा केंद्र के रूप में पहचान रखने वाले सूरत के टेक्सटाइल उद्योग को आधुनिक तकनीक और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप ढालने की दिशा में एक अहम पहल की जा रही है। इसी उद्देश्य से Federation of Surat Trade and Textile Association (फोस्टा) द्वारा 6 मार्च 2026 को एक विशेष 'इंडस्ट्री–एकेडेमिया मीटिंग' का आयोजन किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण बैठक शाम 4 बजे मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट-1 स्थित फोस्टा बोर्डरूम में आयोजित होगी, जिसमें उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर टेक्सटाइल क्षेत्र की चुनौतियों और उनके तकनीकी समाधान पर चर्चा करेंगे। इस पहल को फोस्टा के साथ-साथ Gujarat Technological University और Veer Narmad South Gujarat University का भी सहयोग प्राप्त है। बैठक में कपड़ा व्यापार से जुड़े बड़े उद्यमियों के साथ-साथ एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधि, सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी, शोधकर्ता, स्टार्टअप संचालक और विभिन्न इन्क्यूबेशन सेंटर के विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। आयोजकों का मानना है कि उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सीधा संवाद स्थापित होने से टेक्सटाइल सेक्टर को नई तकनीकी दिशा मिलेगी और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान शोध और नवाचार के माध्यम से संभव हो सकेगा। फोस्टा के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने इस बैठक की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि बदलते समय में टेक्सटाइल उद्योग को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ाना संभव नहीं है। वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और ऐसे में नई तकनीकों को अपनाना उद्योग की आवश्यकता बन गया है। उन्होंने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य टेक्सटाइल वैल्यू चेन में मौजूद चुनौतियों की पहचान करना और उनके लिए तकनीक आधारित समाधान विकसित करना है। इसके साथ ही उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर स्टार्टअप आधारित नवाचार को बढ़ावा देना भी इस पहल का प्रमुख लक्ष्य है, जिससे गुजरात का टेक्सटाइल सेक्टर वैश्विक स्तर पर और मजबूत हो सके। बैठक के दौरान उद्योग के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण तकनीकी विषयों पर विशेष चर्चा की जाएगी। इनमें ऑटोमेशन और इंडस्ट्री 4.0 के तहत मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण, उत्पादन में आधुनिक मशीनों और डेटा आधारित सिस्टम का उपयोग, सस्टेनेबिलिटी के तहत जल संरक्षण और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना, तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली को मजबूत बनाना जैसे मुद्दे शामिल रहेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि टेक्सटाइल उद्योग इन तकनीकी सुधारों को अपनाता है तो उत्पादन क्षमता के साथ-साथ गुणवत्ता और निर्यात प्रतिस्पर्धा में भी बड़ा सुधार संभव होगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के दौरान,गहन टिकट जाँच अभियानों से जुर्माने के रूप में प्राप्त की गई,191 करोड़ रुपये से अधिक की राशि

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे अपने नेटवर्क पर बिना टिकट तथा अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक एवं सतत टिकट जाँच अभियानों के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। राजस्व संरक्षण तथा यात्री अनुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान पश्चिम रेलवे के टिकट जाँच कर्मचारियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारियों की सक्रिय निगरानी में अत्यंत प्रेरित टिकट जाँच कर्मचारियों की टीम ने मुंबई उपनगरीय लोकल ट्रेनों, लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों, पैसेंजर सेवाओं तथा हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में सघन जाँच अभियान चलाए हैं। इन अभियानों का उद्देश्य राजस्व हानि को रोकना तथा यात्रियों में अनुशासित और वैध यात्रा को प्रोत्साहित करना रहा है।

अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि में लगभग 30 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रियों का पता लगाया गया, जिसमें बिना बुक किए गए सामान के मामले भी शामिल हैं, जिसके परिणामस्वरूप 191 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 42% अधिक है। फरवरी 2026 के दौरान ही लगभग 3 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्रा के मामलों का पता लगाकर 18.50 करोड़ रुपये की राशि वसूली गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% से अधिक की वृद्धि को दर्शाती है। मुंबई उपनगरीय खंड में सघन टिकट जाँच अभियानों से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए। फरवरी 2026 के दौरान बिना टिकट/अनियमित यात्रा के कुल 87 हजार मामले दर्ज किए गए, जिससे 4.28 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। कुल मिलाकर, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि के दौरान मुंबई उपनगरीय खंड में 10 लाख से अधिक मामलों का पता लगाया गया, जिससे लगभग 50 करोड़ रुपये (एसी लोकल में जुर्माने सहित) की वसूली हुई। यह उपनगरीय नेटवर्क में अनुशासित और अधिकृत यात्रा सुनिश्चित करने के प्रति पश्चिम रेलवे के निरंतर प्रयास को दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे ने एसी उपनगरीय लोकल ट्रेनों में भी विशेष टिकट जाँच अभियान जारी रखे हैं। सामान्य टिकट धारकों द्वारा अनधिकृत यात्रा को रोकने के लिए नियमित औचक जाँच की गई। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच एसी लोकल सेवाओं में 1.16 लाख से अधिक जुर्माने के मामले दर्ज किए गए, जिससे 3.76 करोड़ रुपये की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 99% की वृद्धि दर्शाता है।

सूरत में छतों पर उगेगी हरियाली: चैंबर ऑफ कॉमर्स ने महिलाओं को सिखाए टेरेस गार्डनिंग के वैज्ञानिक तरीके

(जीएनएस)। सूरत। तेजी से कंक्रीट के जंगल में बदलते शहरों के बीच अब घर की छतों और बालकनियों पर हरियाली लौटाने की पहल तेज हो गई है। शहर में लोगों को ताजी, सुरक्षित और रसायन-मुक्त सब्जियां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से Southern Gujarat Chamber of Commerce and Industry की लेडीज विंग ने एक विशेष टेरेस गार्डनिंग प्रेजेंटेशन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम Surat Municipal Corporation और Krishi Vigyan Kendra Surat के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर घर की छत पर बागवानी के वैज्ञानिक तरीकों को समझा।

सोमवार को Veer Narmad South Gujarat University के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शहर की महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना और उन्हें यह बताना था कि सीमित जगह में भी कैसे ताजी सब्जियां उगाई जा सकती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत लेडीज विंग की चेयरपर्सन श्रीमती मयूरीबेन मेवावाला के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि आज के समय में बढ़ते प्रदूषण, रसायनयुक्त खाद्य पदार्थों और बदलती जीवनशैली के कारण लोगों के सामने स्वास्थ्य की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। ऐसे में यदि हर घर की छत पर छोटी-सी बगिया तैयार हो जाए तो न केवल वातावरण हरा-भरा रहेगा बल्कि परिवार को ताजी और सुरक्षित सब्जियां भी मिल सकेंगी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता और हॉर्टिकल्चर साइंटिस्ट श्रीमती भक्तिबेन पांचाल ने टेरेस गार्डनिंग के वैज्ञानिक पहलुओं को बेहद सरल तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि शहरों में रहने वाले लोग छोटी छत, बालकनी या खुले स्थान का सही उपयोग करके आसानी से किचन गार्डन तैयार कर सकते हैं। इसके लिए बड़े खेतों की जरूरत नहीं होती बल्कि

गमलों, प्लास्टिक कंटेनरों, ग्रो बैग और रीसायकल किए गए डिब्बों में भी सब्जियां उगाई जा सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घर के किचन से निकलने वाले जैविक कचरे से कम्पोस्ट खाद तैयार की जा सकती है, जिससे पौधों को आवश्यक पोषण मिलता है और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने महिलाओं को यह भी बताया कि टेरेस गार्डनिंग में मौसम के अनुसार फसलों का चयन करना बेहद महत्वपूर्ण होता है। गर्मियों में लौकी, भिंडी, टमाटर और मिर्च जैसी फसलें आसानी से उगाई जा सकती हैं, जबकि सर्दियों में पालक, मेथी, धनिया और पत्तेदार सब्जियां बेहतर उत्पादन देती हैं। इसके साथ ही तुलसी, एलोवेरा और पुदीना जैसे औषधीय पौधों को भी घर की छत पर आसानी से उगाया जा सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित Surat Municipal Corporation की असिस्टेंट म्युनिसिपल कमिश्नर श्रीमती गायत्रीबेन जरीवाला ने कहा कि शहरी जीवन में टेरेस गार्डनिंग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इससे शहरों में हरियाली बढ़ती है, तापमान में संतुलन आता है और लोगों को घर पर ही ताजी और सुरक्षित सब्जियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि यदि शहर के अधिक से अधिक लोग इस पहल से जुड़ते हैं तो इससे पर्यावरण संरक्षण में भी बड़ी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'कवांट गेर मेला' पर आधारित डाक टिकट तथा विशेष कवर का अनावरण किया

- पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने मुख्यमंत्री को डाक टिकट की प्रथम प्रति भेंट की
- छोटा उदेपुर जिले के कवांट में हर वर्ष आयोजित होने वाले प्रसिद्ध आदिवासी सांस्कृतिक उत्सव 'कवांट गेर मेला' पर डाक टिकट जारी होना गुजरात की समृद्ध आदिवासी परंपराओं तथा सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'कवांट गेर मेला' की सांस्कृतिक महत्ता को उजागर करने वाले डाक टिकट तथा विशेष कवर की प्रथम प्रति का गुरुवार को गांधीनगर में अनावरण किया।

उत्तर गुजरात तथा दक्षिण गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को यह डाक टिकट तथा कवर भेंट किए।

राज्य की समृद्ध आदिवासी परंपराओं तथा सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

इस अवसर पर छोटा उदेपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद श्री जशुभाई राठवा, विधायक श्री अभेसिंह तडवी, छोटा उदेपुर जिला कलेक्टर श्रीमती गार्गी जैन, प्रवर डाक अधीक्षक श्री आर. बी. ठाकोर तथा राठवा आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि राज्य की आदिवासी संस्कृति, कला एवं परंपराओं का संरक्षण करने तथा उसे आने वाली पीढ़ी तक पहुँचाने वाला 'कवांट गेर मेला' केवल एक उत्सव नहीं है; बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य, सामाजिक समरसता एवं पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

पुरी स्टेशन पर ब्लॉक के कारण गांधीधाम-पुरी आंशिक निरस्त रहेगी

(जीएनएस)। पूर्व तट रेलवे के खुर्दा रोड मंडल के पुरी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म अपग्रेडेशन का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के लिए 60 दिनों का ब्लॉक लिया गया है। इस कारण गांधीधाम-पुरी साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें आंशिक निरस्त रहेगी। विवरण निम्नानुसार है:

आंशिक निरस्त ट्रेनें

ट्रेन संख्या 12993 गांधीधाम–पुरी एक्सप्रेस 13, 20, 27 मार्च; 3, 10, 17, 24 अप्रैल; 1, 8 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

ट्रेन संख्या 12994 पुरी–गांधीधाम एक्सप्रेस 16, 23, 30 मार्च; 6, 13, 20, 27 अप्रैल; 4, 11 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

ट्रेन संख्या 22973 गांधीधाम–पुरी एक्सप्रेस 11, 18, 25 मार्च; 1, 8, 15, 22, 29 अप्रैल; 6, 13 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

ट्रेन संख्या 22974 पुरी–गांधीधाम एक्सप्रेस 14, 21, 28 मार्च; 4, 11, 18, 25 अप्रैल; 2, 9, 16 मई 2026 को साक्षीगोपाल स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

यात्रियों से अनुरोध है उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेन के परिचालन समय, ठहराव एवं संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की अधिकृत वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच चलाएगी,दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

(जीएनएस)। यात्रियों की सुविधा तथा बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच विशेष किराये पर दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें चलाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09027/09028 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट तेजस स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09027 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद स्पेशल शनिवार, 07 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से 23:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:30 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09028 अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 09 मार्च 2026 को अहमदाबाद से 03:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 11:15 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

a. इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर तथा एसी 3-टियर श्रेणी के कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09021/09022 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09021 मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को मुंबई सेंट्रल से 06:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 12:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09022 अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल स्पेशल रविवार, 08 मार्च 2026 को अहमदाबाद से 15:10 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21:45 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में विस्टाडोम, एग्जीक्यूटिव अनुभूति, एग्जीक्यूटिव चेयर कार तथा एसी चेयर कार कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09027 एवं 09028 की बुकिंग 06.03.2026 से तथा ट्रेन संख्या 09021 एवं 09022 की बुकिंग 07.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुजरात यूनिवर्सिटी में विकास की त्रिवेणी

▸▸ गुजरात यूनिवर्सिटी कन्वेंशन सेंटर का 'विद्यागौरी नीलकंठ सभापुरम' नामकरण - नवनिर्मित रिसर्च पार्क का लोकार्पण, 'हरस्टार्ट' के 5वें संस्करण का शुभारंभ

▸▸ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विमेन-लेड डेवलपमेंट' के विजन को साकार करने के लिए गुजरात कटिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ प्रधानमंत्री के प्रेरणा से स्टार्टअप इंडिया अब एक रिवोल्यूशन बनकर युवाशक्ति के लिए आसमान छूने के अवसर प्रदान कर रहा है

▸▸ सेमीकंडक्टर सेक्टर में महिला शक्ति के लिए अनेक अवसर

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी में विकास की त्रिवेणी का शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विमेन-लेड डेवलपमेंट' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए गुजरात प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने गुजरात यूनिवर्सिटी के कन्वेंशन सेंटर का विद्यागौरी नीलकंठ सभापुरम नामकरण, नवनिर्मित रिसर्च पार्क का लोकार्पण तथा 'हरस्टार्ट' ('herSTART') के पांचवें संस्करण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित किया। गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (जीयूएसईसी) द्वारा विमेन स्टार्टअप्स इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप तथा मार्केट एक्सेस सपोर्ट प्रदान करने के उद्देश्य से 'हरस्टार्ट' कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका पांचवां संस्करण गुजरात यूनिवर्सिटी में प्रारंभ हुआ है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की युवाशक्ति के इनोवेशन्स को नई दिशा देने के लिए शुरू किया गया 'स्टार्टअप इंडिया' अब एक क्रांति बन गया है। एक दशक पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, जो अब बढ़कर लगभग 2 लाख तक पहुंच गए हैं, जिनमें महिला शक्ति की भी लगभग आधी भागीदारी है। इतना ही नहीं, विमेन-लेड स्टार्टअप फंडिंग में भी भारत अग्रिम पंक्ति में आ गया है।

उन्होंने पहली गुजराती महिला स्नातक विद्यागौरी नीलकंठ के नाम से यूनिवर्सिटी कन्वेंशन सेंटर को जोड़कर विद्यागौरी नीलकंठ सभापुरम नामकरण करने की गुजरात यूनिवर्सिटी की पहल की भी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात की बेटियों और बहनों की एंटरप्राइजिंग स्किल को नई पीढ़ी की टेक्नोलॉजी से जोड़कर उन्हें खिलने के अवसर प्रदान करने में 'हरस्टार्ट' महत्वपूर्ण साबित हुआ है। इस वर्ष के बजट में राज्य सरकार ने स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0 के लिए 45 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में युवाशक्ति टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इनोवेशन में आत्मनिर्भर बन रही है और स्किल डेवलपमेंट के अनेक अवसर भी खुल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में आगे कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का लोकार्पण किया है। साणंद और धोलेरा सेमीकंडक्टर हब के रूप में युवाओं के लिए हाईटेक रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।

नारीशक्ति के लिए सेमीकंडक्टर सेक्टर में अपने कौशल दिखाने के अवसरों का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि सेमीकंडक्टर स्टार्टअप्स, चिप डिजाइन और फैब्रिकेशन मैनेजमेंट तथा सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और डीप टेक इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ें, इसके लिए 'हरस्टार्ट' सहायक बने।

मुख्यमंत्री ने टेक्नोलॉजी को केवल करियर विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन बताते हुए युवाशक्ति से प्रेरक आह्वान किया कि उभरते क्षेत्रों के स्टार्टअप्स के माध्यम से गुजरात को स्टार्टअप हब के साथ-साथ विमेन-लेड डीप टेक इनोवेशन हब भी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर 'हरस्टार्ट' के चौथे संस्करण की सफलता गाथा पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया तथा विमेन-लेड स्टार्टअप्स का सम्मान भी किया। गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (जीयूएसईसी) के सीईओ श्री श्रीनिवास राव सुरेड्डी ने चौथे 'हरस्टार्ट' के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

इस अवसर पर गुजरात यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता, प्रभारी कुल सचिव डॉ. पीयूष पटेल, सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा, विधायक श्री अमितभाई शाह सहित अनेक महानुभाव तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'शेपिंग टुमॉरोज सिटीज - फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' पुस्तक का विमोचन किया

विश्व में शहरीकरण की परिवर्तनकारी प्रक्रिया में सस्टेनेबल-क्लाइमेट रेजिलिएंट और इनोवेटिव अर्बनाइजेशन के अवसरों को दर्शाती पुस्तक

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को 'शेपिंग टुमोरोज सिटीज' - फ्रॉम क्लाइमेट रिस्क टू ग्रीन अपॉर्च्युनिटीज' पुस्तक का गांधीनगर में विमोचन किया।

आधुनिक समय में बदलती दुनिया में शहरीकरण सबसे अधिक परिवर्तनकारी प्रक्रिया है। इसे समस्या नहीं बल्कि सस्टेनेबल, क्लाइमेट रेजिलिएंट और इनोवेटिव सिटीज के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का इस पुस्तक में विस्तृत वर्णन किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शहरीकरण की चुनौतियों को अवसर में बदलने के दिए गए मार्गदर्शन को गुजरात ऊर्जा विकास निगम की प्रबंध निदेशक सुश्री शालिनी अग्रवाल ने विश्व के विभिन्न देशों के अर्बन डेवलपमेंट और अर्बनाइजेशन के अनुरूप भविष्य के शहरी विकास के विजन के साथ इस पुस्तक में सटीक रूप से शामिल किया है।

इस पुस्तक में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण आने वाले समय में पर्यावरण और सामाजिक चुनौतियों के लिए विशेष पूर्व योजना और नीति निर्माण के महत्व को भी शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, इस पुस्तक में शहरीकरण के साथ बढ़ती ऊर्जा मांग, संसाधनों की खपत और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण उत्पन्न होने वाले क्लाइमेट चेंज के प्रभावों के समाधान के विचारों को भी शामिल किया गया है।

भारत में भी शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और 2047 तक इसमें बड़े पैमाने पर वृद्धि होने की संभावना है। इस आर्थिक विकास यात्रा में शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाली है। बढ़ते शहरीकरण के कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाउसिंग, पानी और मूलभूत सेवाओं पर दबाव बढ़ता है। इसलिए शहरों की सुव्यवस्थित योजना और टिकाऊ विकास बहुत आवश्यक है, जिसकी इस पुस्तक में विस्तार से चर्चा की गई है।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग के मार्ग दर्शाते हुए पुस्तक में बताया गया है कि क्लाइमेट रेजिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए ग्रीन बॉन्ड, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, कार्बन मार्केट और क्लाइमेट फाइनेंस जैसे प्रयासों के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश प्राप्त किया जा सकता है। इन साधनों के द्वारा शहर आवश्यक पूंजी एकत्र कर सकते हैं। इसके साथ ही स्थानीय स्वराज संस्थाओं की वित्तीय क्षमता को मजबूत बनाने और म्युनिसिपल फाइनेंस सिस्टम को अधिक सुदृढ़ बनाने जैसे विषयों को भी पुस्तक में शामिल किया गया है।

पुस्तक में विस्तृत वर्णन किया गया है कि शहर समस्याओं का कारण नहीं हैं, बल्कि ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जहां सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान विकसित किए जा सकते हैं। उचित आयोजन, टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल नीतियों के माध्यम से शहरों को विकास के केंद्र और ग्रीन भविष्य के आधारस्तंभ बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में एसएमवीएस संस्था के संस्थापक पू. बापजी का 93वां प्राकट्य महोत्सव आयोजित

एमएसवीएस जैसे संस्थान शिक्षा और संस्कार के साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी के समन्वय से प्रधानमंत्री के मंत्र 'विकास भी, विरासत भी' को साकार कर रहे हैं : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ 'हैप्पी परिवार' के माध्यम से 'हैप्पी गुजरात' बनाया जा सकता है, और इस प्रकार 'हैप्पी भारत' का स्वप्न साकार होगा

▸▸ टेक्नोलॉजी के युग में युवाओं में चिप डिजाइन, एआई और एडवांस टेक्नोलॉजी के कौशल विकास के लिए एसएमवीएस जैसे संस्थान तकनीकी पाठ्यक्रमों के जरिए सहयोगी बने

▸▸ भूकंप, बाढ़, चक्रवात या कोरोना जैसी महामारी के दौरान एसएमवीएस संस्था का सेवा कार्य महत्वपूर्ण रहा

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में अहमदाबाद के रिवरफ्रंट में स्वामीनारायण मंदिर वासणा संस्था (एसएमवीएस) के संस्थापक गुरुदेव पू. बापजी का 93वां प्राकट्य महोत्सव भव्य रूप से उत्सव मनाया गया।

'साबरमतीना कांठे एक आदर्श शिल्पी' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने एसएमवीएस के संस्थापक पूज्य बापजी की दिव्य चेतना को वंदन किया और सभी को एकता, प्रेम एवं समरसता के पर्व धुलंडी की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत, शास्त्र और मंदिर भारतीय संस्कृति के मुख्य आधार स्तंभ हैं, ऐसे में एसएमवीएस संस्था शिक्षा, सेवा और संस्कार की त्रिवेणी सरिता प्रवाहित कर इन स्तंभों को और भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि पूज्य बापजी द्वारा बोया गया भक्ति का बीज आज वटवृक्ष बनकर लाखों हरिभक्तों को सत्संग की छाया प्रदान कर रहा है।

श्री पटेल ने भगवान स्वामीनारायण की शिक्षापत्री की आज्ञा को सिर-माथे स्वीकार करते हुए एसएमवीएस द्वारा भूकंप, बाढ़, चक्रवात या कोरोना महामारी जैसी प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के दौरान हमेशा आगे बढ़कर किए जाने वाले सेवा कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पूज्य सत्य संकल्पदास जी स्वामी के नेतृत्व में इन सेवा कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में एसएमवीएस हॉस्पिटल का निर्माण, शिक्षा क्षेत्र में गांधीनगर में कन्या गुरुकुल और पंचमहाल जिले में आदिवासी बच्चों के लिए निःशुल्क गुरुकुल के अलावा होनहार विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता और छात्रवृत्ति जैसी गतिविधियों की प्रशंसा की।

श्री पटेल ने प्रधानमंत्री के सूत्र 'विकास भी, विरासत भी' का स्मरण करते हुए कहा कि मंदिर सनातन धर्म का अभिन्न अंग है। उनके ही नेतृत्व में आज हमें हजार वर्ष की उस सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा के ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत अब सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में दुनिया में नेतृत्व कर रहा है। साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का लोकार्पण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने एसएमवीएस जैसे संस्थानों से अनुरोध किया कि वे बदलते समय की मांग के अनुरूप युवाओं में चिप डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस टेक्नोलॉजी का कौशल विकसित करने के लिए तकनीकी पाठ्यक्रमों के जरिए सहयोगी बनें।

मुख्यमंत्री ने हरिभक्तों से प्रधानमंत्री के नौ संकल्पों जैसे कि जल संरक्षण-'कैच द रेन', 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत वृक्षारोपण, स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल, प्राकृतिक खेती और योग को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

श्री पटेल ने 'हैप्पी परिवार' के माध्यम से 'हैप्पी गुजरात' की संकल्पना की चर्चा करते हुए कहा कि यदि राज्य का प्रत्येक परिवार सुखी होगा, तो राज्य सुखी होगा और यदि राज्य सुखी होगा, तो देश भी सुखी बनेगा। इस प्रकार, उन्होंने सभी लोगों से 'हैप्पी भारत' के स्वप्न को पूरा करने के लिए देश के विकास में सहभागी बनने की अपील की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आगामी 21 दिसंबर, 2026 को अनादिमुक्त विश्वम संस्थान के प्रथम संकुल के लोकार्पण, शिखरबद्ध मंदिर और अनादिमुक्त पीठिका के निर्माण की तारीखों की ऑनलाइन माध्यम से घोषणा की।

इस कार्यक्रम में एसएमवीएस संस्था के प्रमुख पू. सत्यसंकल्पदास जी स्वामी, पू. भक्तवत्सलदास जी, पू. निर्गुणजीवनदास जी सहित कई संत, महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन, अहमदाबाद (पश्चिम) के सांसद श्री हसमुखभाई पटेल, स्थानीय विधायकगण, महानुभावों सहित बड़ी संख्या में हरिभक्त उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सरदार एकता यात्रा को प्रस्थान करवाया

जय सरदार, सबके सरदार! का नारा गूंज उठा

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण से श्री नरेन्द्रभाई ने लौहपुरुष सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि दी है

▸▸ यह यात्रा सरदार साहब के समर्पण, देशप्रेम तथा उनकी अटल एकता की भावना को जन-जन में जीवंत करेगी

▸▸ सरदार साहब की तरह सबके मन में नेशन फर्स्ट की भावना उजागर करने का प्रधानमंत्री का संकल्प है

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा द्वारा आयोजित सरदार एकता यात्रा को गुरुवार को अहमदाबाद से प्रस्थान करवाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा सरदार साहब का सम्मान किया है। 2014 से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार साहब की जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय 'एकता दिवस' के रूप में मनाने की परंपरा शुरू करवाई है। विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण से श्री नरेन्द्रभाई ने लौहपुरुष सरदार पटेल को श्रेष्ठ श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने जोड़ा कि सरदार साहब की यह विराट प्रतिमा पूरे विश्व में भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक बनी है ।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हम देश की एकता एवं अखंडता के शिल्पकार लोक पुरुष सरदार साहब की 150वीं जयंती मना रहे हैं । उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में 565 देसी रियासतों को एक सूत्र में बांधकर एक और अखंड भारत बनाया था। सरदार साहब के उसी विचारों और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाकर प्रधानमंत्री 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जोड़ा कि सरदार साहब की तरह सबके मन में नेशन फर्स्ट की भावना उजागर करने का प्रधानमंत्री का संकल्प है ।

गुजरात तथा मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में आयोजित होने वाली इस यात्रा में सरदार साहब के जीवन से जुड़ी अमूल्य वस्तुओं को आमजन के दर्शन के लिए रखने के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि यह यात्रा सरदार साहब के समर्पण, देशप्रेम तथा उनकी अटल एकता की भावना को जन-जन में जीवंत करेगी।

मुख्यमंत्री ने देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहने तथा स्वदेशी के मंत्र को अपनाने का आह्वान किया। स्वदेशी को जीवन का हिस्सा बनाना समय की मांग है। उन्होंने जोड़ा कि हम सब एक होकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे, यही सरदार साहब को सच्ची भावांजलि होगी।

के.पी. विद्यार्थी भवन के प्रमुख तथा यात्रा के आयोजक श्री सतीशभाई पटेल ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व मंत्री श्री गोरधनभाई झडफिया ने प्रासंगिक भाषण में राष्ट्रव्यापी सरदार एकता यात्रा के आयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सरदार एकता यात्रा के प्रस्थान के समय 'जय सरदार, सबके सरदार!' का नारा गूंज उठा।

इस अवसर पर सरदार धाम के अध्यक्ष श्री गगजीभाई सुतारिया, पाटीदार अग्रणी, अखिल भारतीय कुर्मी पाटीदार महासभा के प्रमुख, सरदार पटेल राष्ट्रीय स्मारक के मानद सचिव श्री आर.एस. पटेल सहित सरदार-प्रेमी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सोना वायदा में 275 रुपये की वृद्धिः चांदी वायदा में 1145 रुपये की नरमीः क्रूड ऑयल वायदा में 156 रुपये की तेजी

▸▸ कमोडिटी वायदाओं में 20829.94 करोड़ रुपये और कमोडिटी ऑप्शंस में 58576.37 करोड़ रुपये का दर्ज हुआ टर्नओवर : सोना-चांदी के वायदाओं में 15286.22 करोड़ रुपये का हुआ कारोबार

(जीएनएस)। मुंबईः देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस और इंडेक्स फ्यूचर्स में 79406.31 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदाओं में 20829.94 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में 58576.37 करोड़ रुपये का नॉशनल टर्नओवर हुआ। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2022.42 करोड़ रुपये का हुआ।

कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदाओं में 15286.22 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। एमसीएक्स सोना अप्रैल वायदा सत्र के आरंभ में 162750 रुपये के भाव पर खूलकर, 163142 रुपये के दिन के उच्च और 160530 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 161525 रुपये के पिछले बंद के सामने 275 रुपये या 0.17 फीसदी की मजबूती के साथ 161800 रुपये प्रति 10 ग्राम बोला गया। गोल्ड-गिनी मार्च वायदा 566 रुपये या 0.43 फीसदी घटकर 132394 रुपये प्रति 8 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-पेटल मार्च वायदा 51 रुपये या 0.31 फीसदी घटकर 16641 रुपये प्रति 1 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। सोना-मिनी मार्च वायदा 160750 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 160750 रुपये और नीचे में 158853 रुपये पर पहुंचकर, 106 रुपये या 0.07 फीसदी घटकर 159500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था। गोल्ड-टेन मार्च वायदा प्रति 10 ग्राम 164699 रुपये पर खूलकर, ऊपर में 164699 रुपये और नीचे में 161700 रुपये पर पहुंचकर, 163099 रुपये के पिछले बंद के सामने 150 रुपये या 0.09 फीसदी घटकर 162949 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

चांदी के वायदाओं में चांदी मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 265738 रुपये के भाव पर खूलकर, 266150 रुपये के दिन के उच्च और 257100 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 261390 रुपये के पिछले बंद के सामने 1145 रुपये या 0.44 फीसदी लुढ़ककर 260245 रुपये प्रति किलो बोला गया। इनके अलावा चांदी-मिनी अप्रैल वायदा 250 रुपये या 0.09 फीसदी घटकर 271518 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि चांदी-माइक्रो अप्रैल वायदा 345 रुपये या 0.13 फीसदी गिरकर 271620 रुपये प्रति किलो के भाव पर पहुंचा।

मेटल वर्ग में 1952.71 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। तांबा मार्च वायदा 9.5 रुपये या 0.79 फीसदी घटकर 1199.8 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था। जबकि जस्ता मार्च वायदा 1.5 रुपये या 0.46 फीसदी औंधकर 326.35 रुपये प्रति किलो पर आ गया। इसके सामने एल्यूमीनियम मार्च वायदा 2.65 रुपये या 0.8 फीसदी तेज होकर यह कॉन्ट्रैक्ट 332.9 रुपये प्रति किलो पर आ गया। जबकि सीसा मार्च वायदा 65 पैसे या 0.34 फीसदी घटकर 188.7 रुपये प्रति किलो के भाव पर ट्रेड हो रहा था।

इन जिंसों के अलावा कारोबारियों ने एनर्जी सेगमेंट में 3525.14 करोड़ रुपये के सौदे किए। एमसीएक्स क्रूड ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 7060 रुपये के भाव पर खूलकर, 7175 रुपये के दिन के उच्च और 6992 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 156 रुपये या 2.25 फीसदी की बढ़त के साथ 7093 रुपये प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहा था। जबकि क्रूड ऑयल-मिनी मार्च वायदा 154 रुपये या 2.22 फीसदी की बढ़त के साथ 7091 रुपये प्रति बैरल बोला गया। इनके अलावा नैचुरल गैस मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 275 रुपये के भाव पर खूलकर, 277.4 रुपये के दिन के उच्च और 272.6 रुपये के नीचले स्तर को छूकर, 272.4 रुपये के पिछले बंद के सामने 2.6 रुपये या 0.95 फीसदी की मजबूती के साथ 275 रुपये प्रति एमएमबीटीयू बोला गया। जबकि नैचुरल गैस-मिनी मार्च वायदा 2.6 रुपये या 0.95 फीसदी की बढ़त के साथ 275 रुपये प्रति एमएमबीटीयू के भाव पर कारोबार कर रहा था।

कृषि जिंसों में मेंथा ऑयल मार्च वायदा सत्र के आरंभ में 952 रुपये के भाव पर खूलकर, 2.9 रुपये या 0.3 फीसदी लुढ़ककर 951.5 रुपये प्रति किलो बोला गया।

कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर सोना के विभिन्न अनुबंधों में 8558.67 करोड़ रुपये और चांदी के विभिन्न अनुबंधों में 6727.55 करोड़ रुपये की खरीद बेच की गई। इसके अलावा तांबा के वायदाओं में 1238.04 करोड़ रुपये, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम-मिनी के वायदाओं में 467.34 करोड़ रुपये, सीसा और सीसा-मिनी के वायदाओं में 4.83 करोड़ रुपये, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदाओं में 242.51 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

इन जिंसों के अलावा क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदाओं में 2607.02 करोड़ रुपये के ट्रेड दर्ज हुए। जबकि नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदाओं में 907.99 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

ओपन इंटरेस्ट सोना के वायदाओं में 9504 लोट, सोना-मिनी के वायदाओं में 60194 लोट, गोल्ड-गिनी के वायदाओं में 29524 लोट, गोल्ड-पेटल के वायदाओं में 427151 लोट और गोल्ड-टेन के वायदाओं में 60036 लोट के स्तर पर था। जबकि चांदी के वायदाओं में 7306 लोट, चांदी-मिनी के वायदाओं में 19026 लोट और चांदी-माइक्रो वायदाओं में 69827 लोट के स्तर पर था। क्रूड ऑयल के वायदाओं में 21586 लोट और नैचुरल गैस के वायदाओं में 29551 लोट के स्तर पर था।

कमोडिटी ऑप्शंस ऑन फ्यूचर्स में क्रूड ऑयल मार्च 7000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति बैरल 54.3 रुपये की बढ़त के साथ 513.1 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस मार्च 280 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 1.4 रुपये की बढ़त के साथ 16.8 रुपये हुआ।

सोना मार्च 200000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 66 रुपये की गिरावट के साथ 245 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी मार्च 400000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 297.5 रुपये की गिरावट के साथ 1134 रुपये हुआ। तांबा मार्च 1200 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 5.75 रुपये की गिरावट के साथ 32.64 रुपये हुआ। जस्ता मार्च 350 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का कॉल ऑप्शन प्रति किलो 26 पैसे के सुधार के साथ 0.85 रुपये हुआ।

पुट ऑप्शंस में क्रूड ऑयल मार्च 7000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति बैरल 104.6 रुपये की गिरावट के साथ 418.2 रुपये हुआ। जबकि नैचुरल गैस मार्च 270 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति एमएमबीटीयू 75 पैसे की नरमी के साथ 15.9 रुपये हुआ।

सोना मार्च 140000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति 10 ग्राम 19.5 रुपये की बढ़त के साथ 470 रुपये हुआ। इसके सामने चांदी मार्च 200000 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 58 रुपये की गिरावट के साथ 1880 रुपये हुआ। तांबा मार्च 1200 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 4.51 रुपये की बढ़त के साथ 32.64 रुपये हुआ। जस्ता मार्च 320 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन प्रति किलो 1.58 रुपये की बढ़त के साथ 4.5 रुपये हुआ।

भारतीय स्नैक बाजार में बड़ा निवेशः बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदेगी जनरल अटलांटिक, सीसीआई की मंजूरी से सौदे का रास्ता साफ

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत के तेजी से बढ़ते पैकेज्ड स्नैक फूड बाजार में एक महत्वपूर्ण निवेश सौदा सामने आया है। देश की लोकप्रिय स्नैक फूड कंपनी Balaji Wafers में अब वैश्विक निवेश फर्म General Atlantic की एंट्री होने जा रही है। इस निवेश को भारत की प्रतिस्पर्धा निगरानी संस्था Competition Commission of India (सीसीआई) ने मंजूरी दे दी है। आयोग की स्वीकृति मिलने के बाद अब इस सौदे के औपचारिक रूप से पूरा होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

यह निवेश न केवल बालाजी वेफर्स के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है, बल्कि भारतीय स्नैक उद्योग में बढ़ती वैश्विक दिलचस्पी का भी संकेत माना जा रहा है।

सीसीआई द्वारा जारी जानकारी के अनुसार जनरल अटलांटिक से जुड़ी इकाई General Atlantic Singapore BWP Pte. Ltd. बालाजी वेफर्स प्राइवेट लिमिटेड के मौजूदा शेयरधारकों से कंपनी के कुछ शेयर अधिग्रहित करेगी। यह अधिग्रहण पूर्णतः डाइल्यूटेड आधार पर किया जाएगा। आयोग ने कहा है कि इस लेनदेन से संबंधित विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा, लेकिन फिलहाल निवेश को सिद्धांततः मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले के बाद बाजार में यह चर्चा तेज हो गई है कि आने वाले समय में बालाजी वेफर्स अपनी उत्पादन क्षमता, ब्रांड पहचान और बाजार विस्तार को लेकर नए स्तर पर पहुंच सकती है।

जनरल अटलांटिक विश्व की प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों में गिनी जाती है और यह विभिन्न उभरते बाजारों में तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश के लिए जानी जाती है। कंपनी का मुख्यालय अमेरिका में है और यह पिछले कई दशकों से दुनिया भर में प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता उत्पाद, स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सेवाओं और सतत अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश करती रही है। जनरल अटलांटिक की खासियत यह है कि वह केवल वित्तीय निवेश ही नहीं करती, बल्कि जिन कंपनियों में निवेश करती है उन्हें रणनीतिक मार्गदर्शन, वैश्विक अनुभव और प्रबंधन सहयोग भी प्रदान करती है। यही कारण है कि जिन कंपनियों में यह निवेश करती है, उनमें अक्सर तेज़ी से विस्तार और नवाचार देखने को मिलता है।

भारत में भी जनरल अटलांटिक ने कई प्रमुख कंपनियों में निवेश किया है और उपभोक्ता बाजार में इसकी विशेष रुचि रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने और उपभोक्ता बाजार के विस्तार को देखते हुए वैश्विक निवेशक लगातार यहां निवेश के अवसर तलाश रहे हैं। बालाजी वेफर्स में प्रस्तावित निवेश को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

दूसरी ओर बालाजी वेफर्स भारतीय स्नैक फूड उद्योग की उन कंपनियों में शामिल है जिसने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर देशभर में अपनी पहचान बनाई है। कंपनी का मुख्य व्यवसाय आलू के वेफर्स, नमकीन स्नैक्स, बिस्कुट, रेडी-टू-ईट खाद्य उत्पादों और मसालों का निर्माण तथा विपणन है। कंपनी के उत्पादों की लोकप्रियता विशेष रूप से पश्चिमी और मध्य भारत में काफी अधिक है। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बालाजी वेफर्स का ब्रांड बेहद मजबूत माना जाता है और स्थानीय बाजारों में इसकी प्रतिस्पर्धा कई बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों से है।